www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार: 16 नवम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 180 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

डीके शिवकुमार बोले-मेरे पास पैसे नहीं थे,दोनों ने मेट्रो में किया था सफर

पीएम मोदी ने खरीदी थी कर्नाटक सीएम के लिए टिकट

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि मेट्रो यात्रा के दौरान उनके पास टिकट खरीदने के पैसे नहीं थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अपना टिकट खरीदने के लिए कहा। इसके बाद मोदी ने उनका टिकट भी अपने स्मार्ट कार्ड से स्वाइप करके खरीदा। यह किस्सा शिवकुमार ने पत्रकारों के साथ पिंक लाइन मेट्रो में यात्रा के दौरान सुनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने 13 नवंबर को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया था। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की विज्ञप्ति के अनुसार, शिवकुमार ने केंगेरी से किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी तक मेट्रो में सफर किया।



कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक जाएगी लाइन

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक जाएगी। इस रूट को करीब 3,470 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। पिंक लाइन शुरू होने से बेंगलुरु में कनेक्टिविटी बेहतर होगी। लोगों को इस रूट पर रोजाना आने-जाने में आसानी होगी। इससे यात्रा का समय भी कम होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शिवकुमार ने पहले टिकट काउंटर से मेट्रो टिकट लिया था। मेट्रो में यात्रा के दौरान दोनों नेता साथ में बातचीत करते नजर आए।

अखिलेश चिंता न करें,तीसरी पारी में और भी नौकरियां देंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कहा- हमने 9.5 साल में 9.50 लाख नौकरी दी तो अखिलेश यादव ने पूछा कि अब क्यों नहीं दे रहे। मैंने कहा- आपकी यह चिंता नहीं होनी चाहिए। बल्कि, यह चिंता करिए कि आपको 4 बार मौका मिला, लेकिन क्यों नहीं दे पाए। सीएम ने कहा- 22 सितंबर से अब तक हजारों जॉइनिंग लेटर बांट चुके हैं। आने वाले समय में और भी नौकरी देने जा रहे हैं। मैंने समाजवादी पार्टी के मुखिया को आश्वस्त कर दिया है कि चिंता मत करिए। तीसरी पारी आएगी तो नौकरियों में और भी चौके-छक्के लगाएंगे। योगी ने 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान की शुरुआत की।

बदरीनाथ और औली में सीजन की पहली बर्फबारी



बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम में रविवार को इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। मंदिर के कपाट बंद होने से एक दिन पहले हुई बर्फबारी से पूरा धाम बर्फ की सफेद चादर से ढक गया। वहीं दोपहर बाद औली में भी जमकर बर्फबारी हुई। बर्फबारी देखकर धाम पहुंचे श्रद्धालु अभिभूत नजर आए।सोमवार को बदरीनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने हैं। ऐसे में इन दिनों धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। रविवार सुबह मौसम ने करवट बदली और बर्फबारी शुरू हो गई। कुछ ही देर में मंदिर परिसर और आसपास की चोटियां बर्फ से ढक गईं। श्रद्धालु संजय कुंवर, रणजीत सिंह और प्रदीप कंडारी ने बताया कि पहली बार बर्फबारी देखने का मौका मिला है। भगवान के दर्शन के साथ प्रकृति के खूबसूरत नजारे ने यात्रा को यादगार बना दिया। उधर, औली में भी दोपहर बाद अच्छी बर्फबारी हुई। इससे पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिल उठे। पर्यटन एवं एडवेंचर से जुड़े विवेक पंवार ने कहा कि नवंबर में हुई बर्फबारी विंटर पर्यटन सीजन के लिए शुभ संकेत है। इससे उम्मीद है कि पर्यटन गतिविधियां और विंटर स्पोर्ट्स समय पर शुरू हो सकेंगे।

गंगोत्री—यमुनोत्री सहित उंचाई वाले इलाकों में भी गिरी बर्फ

उत्तरकाशी। जनपद में रविवार को मौसम ने करवट बदली। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम सहित उंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई जबकि निचले क्षेत्रों में बारिश का मौसम बना रहा। मौसम में आए इस बदलाव से जिले में ठंड का असर बढ़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग 2 शूटर अरेस्ट

अमृतसर (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। दीपक सिंह अमृतसर में 3



अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। विकास ठाकुर जालंधर के न्यू गांधी नगर का रहने वाला है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के पास नहीं खुलेंगी शराब की दुकानें

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आंगनबाड़ी केंद्र के 1,000 फीट के दायरे में शराब की दुकान को स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने आंगनबाड़ी केंद्रों को शिक्षण संस्थान की श्रेणी में रखते हुए कहा कि वहां बच्चों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा दी जाती है इसलिए इन केंद्रों को भी शिक्षण संस्थानों के लिए निर्धारित कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति शंपा सरकार और न्यायमूर्ति पार्थसारथी चट्टोपाध्याय की खंडपीठ ने एकल पीठ



के पूर्व फैसले को बरकरार रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्देश दिया। मामला हुगली जिले की सराय तीनार ग्राम पंचायत के तीनार मौजा का है। यहां एक व्यक्ति किराये के मकान में विदेशी शराब की दुकान चलाता था। बाद में उसने अपनी जमीन पर दुकान स्थानांतरित करने के लिए राज्य के आबकारी विभाग से अनुमति मांगी। प्रस्तावित जगह के पास आंगनबाड़ी केंद्र होने के कारण विभाग ने आवेदन खारिज कर दिया। इसके बाद दुकानदार ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

घाटी में पुलिसकर्मियों के शव डंपर में लाने का आरोप

बीजेपी विधायक बोलीं-हमारे शहीदों का अपमान ठीक नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की गोली से मारे गए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के शव डंपर में लाने के आरोप लगे हैं। बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के शव ताबूत के बिना डंपर में रखकर उनके गांव लाए गए, जो शहीदों का अपमान है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में विधायक शगुन परिहार पुलिस अधिकारियों को शवों को लाने के तरीके पर फटकार लगाती दिख रही हैं। शुक्रवार को रशपाल सिंह और बॉबी चंद का उनके पैतृक गांव डच्छन के केयार में अंतिम संस्कार किया गया। दोनों बुधवार से लापता थे। गुरुवार सुबह उनके शव देहरना जंगल से करीब 2 किलोमीटर दूर मिले थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे। उनकी



सर्विस राइफल भी गायब थी। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया कि शहीद हुए दो एसएचओ के पार्थिव शरीर बिना ताबूत के डंपर में घर पहुंचाए गए। पार्टी ने कहा कि ग्रामीणों को खुद स्ट्रेचर और सफेद कपड़े का इंतजाम करना पड़ा। मोदी सरकार हमारे शहीदों का अपमान करने से भी नहीं चूक रही है।

जंगल में गोलियों से छलनी मिले थे शव हथियार भी गायब

11 नवंबर की दोपहर मरवाह के देहरना जंगल में गोलीबारी की आवाजें सुनाई दी थीं। इसके बाद से ही दोनों एसएचओ लापता थे। गुरुवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों के शव गोलियों से छलनी मिले। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब थे।

इंडिगो की गुवाहाटी फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते वापस पुणे लौटी

लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा सका था,एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित



पुणे (एजेंसी)। पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया।

पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया।

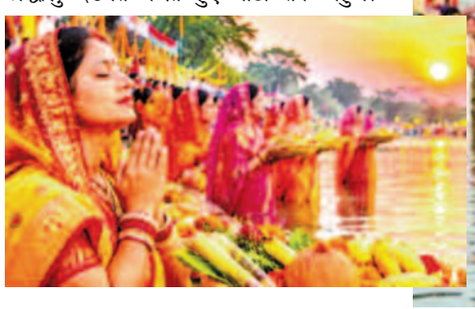
यात्रियों को गुवाहाटी भेजने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, विमान में सवार सभी 192 लोग सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई। इंडिगो अब यात्रियों को गुवाहाटी पहुंचाने के लिए बेंगलुरु से दूसरा विमान पुणे भेजने की तैयारी कर रही थी। लैंडिंग गियर विमान के पहिए और उन्हें संभालने वाले हिस्से को कहते हैं। इन्हीं पहियों की मदद से विमान रनवे पर उतरता है और जमीन पर चलता है। उड़ान भरने के बाद ये पहिए विमान के अंदर चले जाते हैं, ताकि हवा में उड़ते समय रुकावट न हो।

दिल्ली से यूपी-बिहार तक छठ पूजा की धूम

बिहार में 10 हजार से ज्यादा घाटों पर की गई छठ की पूजा डूबते सूर्य को दिया गया पहला अर्घ्य,50 लाख प्रवासी घर लौटे

पटना (एजेंसी)। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। कई श्रद्धालु दंडवत करते हुए घाटों तक पहुंचे।





राजधानी पटना में गंगा नदी के 100 से ज्यादा घाटों पर अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई थी। इनमें तीन घाटों के पास अस्थाई तालाब भी बनाए गए। इनमें 500 व्रती एक साथ अर्घ्य दे सकते हैं। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन, 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं। सीतामढ़ी के ग्रामीण क्षेत्रों में छठ सादगी और सरलता से मनाया जा रहा। लोक आस्था के तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जा रहा है। शहर में जिला प्रशासन,ग्रामीण क्षेत्रों में खुद ग्रामीणों ने छठ घाट का निर्माण किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने की खुशहाली की कामना

छठ महापर्व की बधाई देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा,छठ पूजा की शुभकामनाएं लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर, में देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह पर्व सूर्य देव एवं छठी मैया के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाला यह पावन त्योहार तप, संयम और निष्ठा के माध्यम से हमाटी सांस्कृतिक परंपराओं की महत्ता को दर्शाता है। इस पर्व पर श्रद्धालु सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। मेरी मंगलकामना है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-शांति की वृद्धि करे तथा देश में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा-जय छठी मइया!

छठ महापर्व की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, सभी देशवासियों को महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य की अनेकानेक शुभकामनाएं। प्रकृति-पूजन को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के लिए नई चेतना और स्फूर्ति लेकर आए, साथ ही समाज में सद्भाव एवं समरसता को और अधिक प्रगाढ़ करे। सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन आलोकित हो। जय छठी मइया! गृह मंत्री अमित शाह ने छठ की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, श्रद्धा और समर्पण के महापर्व छठ की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। सूर्य उपासना और लोक आस्था का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति और आरोग्य लेकर आए। छठी मैया की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे।

पॉक्सो आरोपी और पीड़िता के बीच समझौते से केस खत्म नहीं

केरल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला,पॉक्सो मामलों कह दी बड़ी बात नाबालिग पीड़िता के बालिग होने से अपराध की प्रकृति नहीं बदलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने वाले कानून को लेकर केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया कि आरोपी और पीड़ित के बीच आपसी सहमति या समझौता होने से पॉक्सो का मुकदमा सामान्य रूप से खत्म नहीं किया जा सकता। यह फैसला इसलिए अहम है, क्योंकि इससे पहले केरल हाईकोर्ट की अलग-अलग एकल पीठ इस सवाल पर अलग राय दे चुकी थीं। केरल हाई कोर्ट की दो जजों की पीठ ने अब इस कानूनी सवाल पर अपना रुख साफ किया है। केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने, जिसमें जस्टिस राजा विजयराघवन वी. और जस्टिस के.वी. जयकुमार शामिल थे, पॉक्सो के मामलों पर एक बड़ी बात कही है। उनके अनुसार नाबालिगों से जुड़े यौन अपराध, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज होता है, केवल आपसी समझौते के आधार पर सामान्य रूप से रद्द नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि यह नियम कम गंभीर माने जाने वाले आरोपों पर भी, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज है, उन पर भी लागू होता है। यह मामला 49 साल के एक मदरसा शिक्षक से जुड़ा था। उस पर छात्रा के साथ यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा।

जनजातीय समाज के लिए 3 हजार करोड़ की योजनाएं की गई शुरू

मोदी बोले-नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को

पीएम ने कहा-हमारी सरकार आने के बाद हमने इसका खात्मा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया। 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। हर साल हजारों



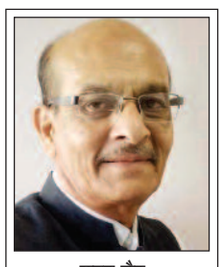
लोगों और आदिवासियों की जान जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को उठा ले जाते थे। हमने नक्सलवाद-माओवाद को खत्म किया। इससे अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पीएम रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। पीएम ने तीन हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही मिजोरम में ट्राइबल फ्रीडम फाइटर म्यूजियम का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी।

संपादकीय

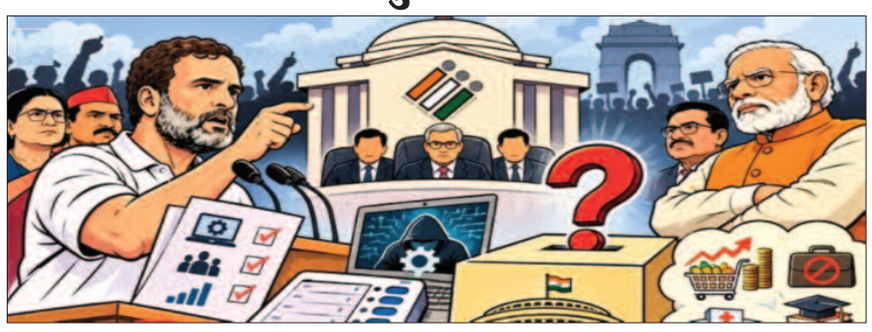
जौलजीबी समारोह की राजनीति

राजनीति में विरोध, असहमति और सत्ता पक्ष के प्रति आक्रामक तेवर लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन जब राजनीतिक विरोध की भाषा अपनी मर्यादाएं लांघने लगे तो सवाल केवल एक नेता के आचरण पर नहीं, बल्कि पूरी राजनीतिक संस्कृति पर खड़े होने लगते हैं। जौलजीबी समारोह के दौरान कांग्रेस विधायक हरीश धामी द्वारा मंच से कथित अभद्र व्यवहार और मुख्यमंत्री के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग इसी बहस को जन्म देता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी जनप्रतिनिधि को सरकार की नीतियों, मुख्यमंत्री के फैसलों और प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। विपक्ष का दायित्व ही है कि वह सत्ता से जवाब मांगे, जनता की समस्याओं को उठाए और सरकार की कमियों को सार्वजनिक रूप से सामने रखे। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए सार्वजनिक मंच की गरिमा और राजनीतिक शिष्टाचार को भुला देना उचित ठहराया जा सकता है? हालांकि मुख्यमंत्री के उसे व्यवहार को भी गलत ठहराया जाना चाहिए जिसमें वे एक स्थानीय विधायक की बात सुने बिना कार्यक्रम का उद्घाटन कर वहां से चलते बने। यह सीधे तौर पर दर्शाता है कि वह कांग्रेस विधायक की बात सुनना ही नहीं चाहते थे लिहाजा इस प्रकार की प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी। विधायक का आरोप है कि उन्हें मेले के अध्यक्ष होने के बावजूद बोलने का अवसर नहीं दिया गया और वे क्षेत्र की गंभीर समस्याएं उठाना चाहते थे। इनमें कनार क्षेत्र की सड़क समस्या, आठ वर्षीय बच्चे की सड़क दुर्घटना में मौत और स्थानीय लोगों की मांगें शामिल थीं। कांग्रेस ने भी स्थानीय जनप्रतिनिधि को संबोधन का अवसर नहीं दिए जाने पर सवाल उठाए हैं। हरीश धामी उत्तराखंड की राजनीति में एक सक्रिय और मुखर विधायक के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। ऐसे में उनसे अपेक्षा भी अधिक रहती है कि वे अपने राजनीतिक विरोध को तथ्यों और तर्कों के आधार पर व्यक्त करें। मुख्यमंत्री के प्रति नाराजगी हो सकती है, सरकार के कामकाज से असहमति हो सकती है और क्षेत्रीय उपेक्षा को लेकर आक्रोश भी स्वाभाविक है। आखिर किसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक समारोह में क्षेत्र के निर्वाचित विधायक को अपनी बात रखने का अवसर क्यों नहीं मिला? मुख्यमंत्री की मौजूदगी में स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपेक्षा होना भी लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। यदि किसी जनप्रतिनिधि को जनता की समस्याएं उठाने से रोका जाता है तो यह सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है लेकिन विरोध का तरीका भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि विधायक को बोलने का अवसर नहीं मिला तो उन्हें अपना विरोध दर्ज कराने के लिए लोकतांत्रिक तरीके अपनाने चाहिए थे। मंच पर तोड़फोड़, माइक और कुर्सियां फेंकना तथा व्यक्तिगत कटाक्ष करना किसी भी परिस्थिति में उचित राजनीतिक व्यवहार नहीं कहा जा सकता। इस घटनाक्रम को उत्तराखंड की आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की राजनीति से अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक संघर्ष लगातार तेज हो रहा है। ऐसे में जौलजीबी की घटना दोनों दलों के लिए राजनीतिक संदेश देने का अवसर बन सकती है हरीश धामी के इस आक्रामक तेवर से उनके समर्थकों के बीच एक संघर्षशील नेता की छवि मजबूत हो सकती है, लेकिन व्यापक राजनीतिक दृष्टि से इसका लाभ कांग्रेस को मिलेगा या नुकसान होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पार्टी इस पूरे प्रकरण को किस तरह संभालती है। क्षेत्रों की समस्याएं राजनीतिक बयानबाजी के बीच दबनी नहीं चाहिए। उत्तराखंड के सीमावर्ती इलाकों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की चुनौतियां लंबे समय से बनी हुई हैं। इन समस्याओं को उठाने वाले जनप्रतिनिधियों को पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए और सरकार को भी आलोचनाओं का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए। मुख्यमंत्री और सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को स्थान देना कमजोरी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक है। वहीं विपक्षी नेताओं को भी यह समझना होगा कि जनता ने उन्हें अपनी समस्याओं को सदन और सार्वजनिक मंचों पर उठाने के लिए चुना है, न कि राजनीतिक मर्यादाओं को ताक पर रखने के लिए। राजनीति में विरोध की आवाज बुलंद होनी चाहिए, लेकिन उसकी भाषा और तरीका लोकतंत्र की गरिमा के अनुरूप होना चाहिए। क्योंकि अंततः जनता को यह याद रहता है कि किस नेता ने उसके लिए आवाज उठाई और किसने अपनी राजनीतिक लड़ाई में जनता के मुद्दों को पीछे छोड़ दिया।

लोकसभा का चुनाव वेध या अवैध?



सनत जैन



भारत की राजनीति में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। अभी तक कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलकर एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे थे। लेकिन अब राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और वैध नहीं था। यह आरोप भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती बनकर सामने आया है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर के कथित दुरुपयोग, मतदाताओं की संख्या में बदलाव, मतदान प्रतिशत के आंकड़ों और चुनाव आयोग के सिस्टम के केंद्रीकरण जैसे मुद्दे प्रमाणों के साथ उठाए हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट और सामने आए विभिन्न प्रमाणों का हवाला देते हुए आरोप लगाया। चुनाव से पहले ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदाता सूची और चुनावी आंकड़ों में हेरफेर की गई थी। उनका दावा है, चुनावी व्यवस्था में बदलाव करके परिणामों को प्रभावित किया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और न्यायिक पुष्टि नही है। भाजपा और चुनाव आयोग की ओर से इन आरोपों पर तथ्यात्मक जवाब देखकर राहुल गांधी के आरोपों का अब सार्वजनिक रूप से खंडन करना होगा। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया, भाजपा ने 2014 के बाद से चुनाव जीतने के लिए अरबों रुपये खर्च किए। एसआईआर के माध्यम से लगभग 14 करोड़ मतदाताओं के मतदान का अधिकार छीन लिया है।

सवाल यह है कि यदि मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और चुनाव परिणामों को लेकर संदेह पैदा होता है, तो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कैसे कायम रहेगा? दूसरी ओर, किसी चुनाव को अवैध घोषित करना केवल राजनीतिक आरोप से संभव नहीं है। इसके लिए संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया में ठोस प्रमाण भी आवश्यक हैं। इस पूरे विवाद का दूसरा पहलू देश में बदलता राजनीतिक वातावरण है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के चुनावी प्रदर्शन ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी थी। अब महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, बढ़ते कर्ज और रोजमर्रा की आर्थिक परेशानियों ने आम आदमी की चिंताएं बढ़ाई हैं। जिस अच्छे दिन की उम्मीद के साथ जनता ने मोदी जी को समर्थन दिया था, वह उम्मीद और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच अंतर को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। नोटबंदी, जीएसटी और विभिन्न करों का बोझ भी आम जनता की चर्चा का विषय बन चुका है। पहले प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ और उनके प्रति दिखाई देने वाला विश्वास, भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत था। अब विभिन्न मुद्दों पर जनता के आंदोलन और विरोध यह संकेत देते हैं, मतदाता पहले की तुलना में अधिक सवाल पूछ रहा है। जो स्वाभाविक परिवर्तन का संकेत है।

राहुल गांधी की राजनीति में पिछले कुछ समय में राजनीतिक तौर पर आक्रामकता और सक्रियता बढ़ी है। वे अब केवल कांग्रेस की राजनीतिक विरासत के सहारे नहीं, बल्कि चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और आम आदमी के अधिकारों जैसे मुद्दों को लेकर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विदेशी मंचों और हाल ही में हैदराबाद की भारत समिट में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने से यह बहस राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर भी पहुंचने लगी है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और कार्यपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण होती है। इन संस्थाओं पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। आरोपों की निष्पक्ष जांच और प्रमाणों के आधार पर जवाब देना भी सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए उतना ही आवश्यक है। 2024 के लोकसभा चुनाव को वैध या अवैध बताने का अंतिम निर्णय राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अनुसार ही हो सकता है। सरकार को राहुल गांधी के आरोपों को केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी ताकत सत्ता नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। यदि यह विश्वास कमजोर होता है तो उसका राजनीतिक असर आने वाले चुनावों में दिखाई देना स्वाभाविक है। राहुल गांधी और विपक्ष ने जिस तरीके से जन संसद का आयोजन किया। जिस तरीके से रामलीला मैदान में आम जनता को जोड़ते हुए शक्ति प्रदर्शन किया है। इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है। सरकार और संस्थाओं को जवाब देने के लिए सामने आना होगा।

पत्रकारिता, नैतिकता और लोकतंत्र की परीक्षा



योगेश कुमार गोयल



लोकतंत्र का ऑक्सीजन है प्रेस...

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बरकरार रखने तथा उसका सम्मान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को 'राष्ट्रीय प्रेस दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस एक वैधानिक और अर्ध-न्यायिक प्रतिष्ठान के रूप में भारतीय प्रेस परिषद को स्वीकार करने तथा सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, जो देश में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है और इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। पत्रकारिता की नैतिकता और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए भारत में प्रथम प्रेस आयोग ने 1956 में एक समिति की कल्पना की थी और 10 वर्ष बाद 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की, जिसने 16 नवम्बर 1966 को अपना कार्य शुरू किया। उसी के बाद से प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। भारतीय प्रेस परिषद देश में स्वस्थ लोकतंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा विश्वसनीयता बरकरार रखने के लिए एक नैतिक प्रहरी के रूप में सभी पत्रकारिता गतिविधियों की निगरानी करती है तथा यह भी सुनिश्चित करती है कि देश में प्रेस किसी बाहरी मामले से प्रभावित न हो।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस वास्तव में प्रेस की स्वतंत्रता तथा समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियों का प्रतीक है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से देश में प्रेस की स्वतंत्रता भी सुनिश्चित होती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां प्रेस ने लोगों में राष्ट्रीय चेतना की भावना जागृत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई, वहीं स्वतंत्रता के बाद भी अनेक अवसरों पर सिद्ध होता रहा है कि प्रेस के बिना भारतीय लोकतंत्र अधूरा है। पत्रकार को समाज का ऐसा आईना माना जाता रहा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी सच्चाई को सामने लाता है। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने अथवा जागृत करने के लिए जन-संचार का एक सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व को दुनिया की कई महान् हस्तियों ने अपने-अपने शब्दों में रेखांकित किया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा के शब्दों में कहें तो प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं और विचारों को समझना तथा उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन के मुताबिक हमारी स्वतंत्रता प्रेस की स्वतंत्रता पर निर्भर करती है, जिसे खोये बिना सीमित नहीं किया जा सकता। अमेरिका के जाने-माने समाचार प्रस्तोता और विख्यात पत्रकार वाल्टर क्रोनकाइट का कहना था कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी कहते थे कि एक राष्ट्र, जो अपने लोगों को एक खुले बाजार में सच्चाई और झूठ का न्याय करने से डरता है, वह एक ऐसा राष्ट्र है, जो अपने लोगों से डरता है। ब्रितानी कंजर्वेटिव पार्टी के राजनेता, लेखक तथा दो बार प्रधानमंत्री रहे बेंजामिन डिसरायली का कहना था कि प्रेस न केवल स्वतंत्र है बल्कि शक्तिशाली भी है और वह शक्ति हमारी है। नेल्सन मंडेला ने भी एक स्वतंत्र प्रेस को लोकतंत्र के स्तंभों में से एक बताया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने प्रेस की स्वतंत्रता को एक ऐसा अनमोल विशेषाधिकार बताया था, जिसे कोई भी देश नहीं छोड़ सकता।

प्रेस से जुड़े लोगों के कंधों पर समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और चूंकि प्रेस को समाज का दर्पण माना गया है, अतः उस दर्पण में हम जनता को जो कुछ दिखाएंगे, वही उसे नजर आएगा। इसलिए प्रेस जगत के लोगों से समाज के हर वर्ग को यही उम्मीद होती है कि उनका चरित्र अच्छा हो, उनके लेखन में निष्पक्षता और पारदर्शिता हो तथा वे ऊंचे आचार सिद्धांतों को अपनाएं। कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि प्रेस के निम्नलिखित प्रमुख दायित्व माने गए हैं लेकिन यदि पत्रकार स्वयं भ्रष्ट व गैर जिम्मेदार होंगे तो न वे निष्पक्षता के साथ अपनी बात कहने में सक्षम होंगे और न ही समाज के सामने कोई आदर्श तस्वीर प्रस्तुत कर सकेंगे।

पत्रकार जनता का ऐसा प्रतिनिधि होता है, जो जनता द्वारा चुना तो नहीं जाता लेकिन उसकी समस्याओं को उसके चुने गए प्रतिनिधियों के सामने समाधान के लिए प्रस्तुत करने का बड़ा माध्यम होता है। अतः यदि प्रेस प्रतिनिधि समाज के कमजोर व शोषित वर्ग की आवाज उठाने के बजाय निहित स्वार्थों के चलते केवल सत्ता से ही प्रेम संबंध बनाने के प्रयासों में लगा रहेगा तो यह प्रेस की विश्वसनीयता के लिए ही घातक सिद्ध होता है। बहरहाल, राष्ट्र की स्वतंत्रता की रक्षा, समृद्धि व विकास, राष्ट्रीय अखंडता तथा जन जागरण की ओर अग्रणी रहने हेतु प्रेस को अपनी बहुआयामी भूमिका का निर्वहन करना होगा।

ट्रम्प इफेक्ट से दुनिया में बढ़ रही अनिश्चितता, अमेरिका की नीतियों से भारत सहित कई देशों के सामने नई चुनौती



कांतिलाल मांडोत

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।



अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल ने दुनिया की राजनीति, व्यापार, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। ट्रम्प की कार्यशैली अन्य अमेरिकी राष्ट्रपतियों से काफी अलग दिखाई देती है। उनकी नीतियों में अमेरिका फर्स्ट का सिद्धांत सबसे ऊपर है। वे चाहते हैं कि अमेरिका के हितों को प्राथमिकता मिले और दुनिया के दूसरे देश अमेरिकी शर्तों के अनुसार अपने फैसले करें। लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी एक देश के हितों को सर्वोपरि रखकर वैश्विक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है? क्या अमेरिका की ताकत का अर्थ यह है कि वह जब चाहे दूसरे देशों के लिए नए नियम बना दे और उनसे उनका पालन करने की अपेक्षा करे?

ट्रम्प शायद अमेरिकी राजनीति में अपनी अलग पहचान स्थापित करना चाहते हैं। उनकी इच्छा है कि उनके कार्यकाल को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए, जिसने अमेरिका की पुरानी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया। इसके लिए वे व्यापार, आयात-निर्यात, आव्रजन, रोजगार और विदेश नीति जैसे विषयों पर लगातार नए फैसले ले रहे हैं। उनकी नीतियों का प्रभाव केवल अमेरिका तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को इसका सामना करना पड़ रहा है।

भारत और अमेरिका के संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, तकनीक, शिक्षा, अंतरिक्ष और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच भी अच्छे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं। दोनों नेताओं की मुलाकातों और बातचीत में कई बार आपसी मित्रता और सहयोग की बात सामने आई है। भारत ने अमेरिका की टैरिफ नीति को लेकर भी संयमित रुख अपनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से व्यक्तिगत टकराव का रास्ता नहीं चुना। इसके बावजूद अमेरिका की नीतियों के कारण भारत को कई बार नई परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है।

इसका ताजा उदाहरण अमेरिकी कंपनी आईबीएम का फैसला है। आईबीएम ने अपने सबसे बड़े विभाग आईबीएम कंसल्टिंग में अधिकांश पदों के लिए अमेरिकी कार्य वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रायोजन प्रक्रिया बंद करने का निर्णय लिया है। इस विभाग में डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। प्रभावित कर्मचारियों के सामने अमेरिका से बाहर स्थित आईबीएम कार्यालय में काम जारी रखने अथवा वर्ष के अंत तक कंपनी छोड़ने का विकल्प बताया गया है। हालांकि कंपनी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि कुल कितने कर्मचारी इस फैसले से प्रभावित होंगे। इसलिए डेढ़ लाख वीजा बंद होने या 40 हजार भारतीयों के प्रभावित होने के आंकड़े को निश्चित संख्या मानना उचित नहीं होगा।

यह फैसला भारतीय पेशेवरों के लिए चिंता का विषय है। अमेरिका में भारत के हजारों प्रतिभाशाली युवा सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। एच-1बी वीजा के माध्यम से भारतीय विशेषज्ञों को अमेरिकी कंपनियों में रोजगार मिलता रहा है। अनेक भारतीयों ने अपनी मेहनत, योग्यता और प्रतिभा के दम पर अमेरिकी तकनीकी उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में सख्ती का असर केवल कर्मचारियों पर नहीं पड़ता, बल्कि कंपनियों की कार्यप्रणाली और वैश्विक प्रतिभा के आदान-प्रदान पर भी पड़ता है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति के बजाय अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अधिक अवसर मिलने चाहिए। यह किसी भी सरकार की अपनी रोजगार नीति हो सकती है। लेकिन यह भी समझना जरूरी है कि आधुनिक तकनीकी उद्योग केवल राष्ट्रीय सीमाओं के आधार पर नहीं चलता। इसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के विशेषज्ञों का योगदान रहता है।

आईबीएम का फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी प्रशासन विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति और ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया पर अधिक निगरानी कर रहा है। अक्टूबर में माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, इंफोसिस, टीसीएस और कॉग्निजेंट सहित कई कंपनियों की ग्रीन कार्ड संबंधी श्रम प्रमाणन प्रक्रिया को भी अमेरिकी प्रशासन ने निलंबित किया था। इसके अतिरिक्त नए एच-1बी आवेदनों पर एक लाख डॉलर का शुल्क लगाने का फैसला भी विदेशी पेशेवरों और कंपनियों के लिए चिंता का कारण बना है।

ट्रम्प प्रशासन में स्टीफन मिलर की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्हें 6 नवंबर को व्हाइट हाउस का नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया। वे लंबे समय से ट्रम्प की सख्त आव्रजन नीतियों के प्रमुख समर्थक और रणनीतिकार रहे हैं। उनकी नियुक्ति के बाद आव्रजन नीति में और सख्ती की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

भारत के सामने अब एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि वह अपने प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य और आर्थिक हितों की रक्षा कैसे करे। भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाए रखते हुए भारतीय पेशेवरों के हितों का मुद्दा मजबूती से उठाना चाहिए। साथ ही कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और यूरोप के अन्य देशों में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रयास करने चाहिए। भारतीय प्रतिभाओं के लिए नए अवसर तलाशना समय की आवश्यकता है।

भारत को अपनी तकनीकी क्षमता, शोध, नवाचार और घरेलू उद्योगों को भी मजबूत करना होगा। देश में ऐसी परिस्थितियां बनानी होंगी कि विदेशों में काम करने वाले प्रतिभाशाली युवा भारत लौटकर यहां भी बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। प्रतिभा का पलायन रोकने के लिए रोजगार, सम्मानजनक वेतन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि अमेरिका और भारत के संबंध केवल वीजा या व्यापार तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषय जुड़े हैं। इसलिए किसी एक मुद्दे पर मतभेद होने का अर्थ यह नहीं कि दोनों देशों के संबंधों में दरार आ जाए। कूटनीति का रास्ता संवाद और आपसी सम्मान से निकलता है।

ट्रम्प को भी समझना होगा कि अमेरिका की आर्थिक और तकनीकी शक्ति में दुनिया के दूसरे देशों की प्रतिभाओं का बड़ा योगदान है। विदेशी पेशेवरों के लिए रास्ते बंद करने से कुछ अमेरिकी नागरिकों को रोजगार के अवसर मिल सकते हैं, लेकिन इससे अमेरिकी कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और वैश्विक सहयोग भी प्रभावित हो सकता है।

दुनिया किसी एक देश के आदेश से नहीं चल सकती। अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वास, सहयोग और परस्पर सम्मान पर आधारित होते हैं। अमेरिका एक शक्तिशाली देश है, लेकिन उसकी नीतियों का असर दूसरे देशों के नागरिकों और अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। इसलिए उसे अपने फैसले लेते समय वैश्विक परिस्थितियों और दूसरे देशों के हितों का भी ध्यान रखना चाहिए।

भारत को न तो अनावश्यक टकराव का रास्ता अपनाना चाहिए और न ही अपनी चिंताओं को नजरअंदाज करना चाहिए। मित्रता का अर्थ यह नहीं कि हर फैसले को बिना सवाल स्वीकार कर लिया जाए। भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत बने रहें, लेकिन भारतीय हितों की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। यही बदलती वैश्विक राजनीति में भारत की परिपक्व कूटनीति और आत्मनिर्भरता की असली परीक्षा होगी।

अतिक्रमण से राहगीरों की राह मुश्किल

दुकानों के बाहर सजा रहता है सामान, दस माह पूर्व नोटिस देने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई



कोटद्वार के जिला परिषद मार्केट में दुकान के बाहर रखा व्यापारियों का सामान।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने को लेकर उच्च न्यायालय के सख्त निर्देशों के बावजूद कोटद्वार में अतिक्रमण की समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाई है। मुख्य बाजार सहित विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व में अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया था, लेकिन नगर के मध्य स्थित जिला परिषद मार्केट में आज भी अतिक्रमण का बोलबाला है। यहां व्यापारियों ने दुकानों के बाहर तक सामान सजाया हुआ है। स्थिति यह है कि कई बार राहगीरों के लिए पैदल गुजरना भी मुश्किल हो जाता है।

जिला पंचायत की इस मार्केट में अतिक्रमण की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। मार्केट की दुकानों के भीतर जितना सामान नहीं होता, उससे अधिक सामान बाहर सड़क पर सजा नजर आता है। इससे आवागमन के लिए उपलब्ध रास्ता लगातार संकरा होता जा रहा है। दोपहिया वाहनों की आवाजाही तो प्रभावित होती ही है, पैदल चलने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। हैरानी की बात यह है कि करीब दस माह पूर्व जिला पंचायत पौड़ी की ओर से मार्केट के कुछ व्यापारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस में एक सप्ताह के भीतर दुकान के बाहर रखा सामान हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद अतिक्रमण जस का तस बना हुआ है। न तो व्यापारियों ने निर्धारित स्थान तक सामान सीमित किया और न ही जिला पंचायत की ओर से नोटिस के बाद कोई प्रभावी कार्रवाई की गई। दरअसल, जिला परिषद मार्केट जिला पंचायत के अधीन है, जबकि नगर निगम की ओर से भी इस दिशा में कोई पहल होती नजर नहीं आ रही है। जिला पंचायत के अधिकारियों के पौड़ी में बैठने के कारण भी मार्केट की नियमित निगरानी नहीं हो पा रही है।

संकरे रास्ते पर आए दिन विवाद

मार्केट में दुकानों के बाहर सामान रखे जाने से आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। रास्ता संकरा होने के कारण पैदल राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को एक-दूसरे के निकलने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कई बार इसी बात को लेकर राहगीरों, वाहन चालकों और व्यापारियों के बीच कहासुनी तक हो जाती है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

जनजातीय गौरव पखवाड़े पर बिरसा मुंडा को किया नमन



विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते विद्यार्थी

कहानी प्रतियोगिता में जीविका और निबंध में शिव सिंह रमोला रहे प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में जनजातीय गौरव पखवाड़े के तहत विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यार्थियों ने आदिवासी समुदाय के जननायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके संघर्ष और योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं उनके योगदान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से एक से 15 नवंबर तक देशभर में जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सम्मानित करने के साथ उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से लोगों को परिचित कराना है। इस अवसर पर जूनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने आदिवासी लोकगीत एवं लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरीं। हाईस्कूल वर्ग की कहानी प्रतियोगिता में जीविका ने प्रथम, अंशिका ने द्वितीय और स्वाति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में मानसी प्रथम, अंकित द्वितीय और कपिल रमोला तृतीय रहे। इंटरमीडिएट वर्ग की निबंध प्रतियोगिता में शिव सिंह रमोला ने प्रथम, अस्मिता नेगी ने द्वितीय और सिमरन ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, पोस्टर प्रतियोगिता में स्वाति प्रथम, जिया द्वितीय और श्वेता तृतीय स्थान पर रहीं।

गहरी खाई में गिरा वाहन, तीन लोग घायल



उत्तरकाशी। डुंडा तहसील क्षेत्र में रविवार सुबह एक वाहन अनियंत्रित होकर करीब 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन सवार तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तीनों घायलों को खाई से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्रह्मखाल पहुंचाया गया। वहीं हादसे के कारण का पता नहीं चल सका। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र उत्तरकाशी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना रविवार सुबह डुंडा तहसील के अंतर्गत सौंद–मंजगांव मोटर मार्ग पर मंजगांव के समीप हुई। वाहन अचानक दुर्घटनाग्रस्त होकर खाई में जा गिरा। वाहन में कुल तीन लोग सवार थे। घायलों में शिवराज राणा (42) पुत्र बचन सिंह राणा निवासी ग्राम बड़ेथ डुंडा, वाहन चालक शुभम (28) निवासी ग्राम तलोग डुंडा व सुंदर लाल नौटियाल (53) पुत्र जगदीश प्रसाद नौटियाल निवासी ग्राम खुरमोला डुंडा शामिल हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को खाई से निकालकर निजी वाहन से सीएचसी ब्रह्मखाल ले जाया गया, जहां उन्हें उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

महिलाओं को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की ओर से श्रीनगर विधानसभा क्षेत्र में जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राज्य महिला उद्यमिता परिषद की उपाध्यक्ष विनोद उनियाल ने उत्तराखंड राज्य स्थापना के उद्देश्यों, राज्य आंदोलन के संघर्ष तथा राज्य गठन के बाद विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सम्मेलन में जिला पौड़ी प्रभारी रेखा डंगवाल, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष प्रमिला भंडारी ने कहा राज्य आंदोलन के दौरान महिलाओं ने अपने घर–परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई। इस अवसर पर राज्य आंदोलन में योगदान देने वाली मुन्नी पांडे, निर्मला राणा, लीला देवी, भावना देवी, शकुंतला राणा, बबीता रावत एवं सुषमा रावत आदि को सम्मानित किया गया।

यूनिकस एकेडमी में संस्थापक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

पंचतत्व की थीम पर विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश



कोटद्वार स्थित यूनिकस एकेडमी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः यूनिकस एकेडमी में संस्थापक दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पंचतत्व की थीम पर आधारित नृत्य, संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रकृति के पांच तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश के महत्व को दर्शाते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त मेजर जनरल मोहनलाल असवाल एवं विशिष्ट अतिथि उप पुलिस अधीक्षक अस्मिता ममगाईं ने किया। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक गुप्ता ने वार्षिक आख्या प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) आधारित शिक्षण व्यवस्था की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षा को केवल अंकों तक सीमित न रखकर बच्चों की समझ, कौशल, संस्कार एवं आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए गतिविधि आधारित, कला समन्वित एवं खिलौना आधारित शिक्षण पद्धतियां अपनाई जा रही हैं। विद्यालय के संस्थापक शैलेंद्र सिंह रावत एवं निदेशक अभय रावत ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत और सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उन्हें अपने लक्ष्य निर्धारित कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को अनुशासन एवं देशभक्ति का महत्व बताया, जबकि विशिष्ट अतिथि ने परिश्रम और ईमानदारी के साथ बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

भालू के हमले में किशोर गंभीर घायल

पुरोला। मोरी विकासखंड के गोविंद वन्य जीव विहार के क्षेत्रांतर्गत जखोल गांव में रविवार को भालू के हमले में एक किशोर (17) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है। विभाग ने ग्रामीणों से जंगल की ओर अकेले न जाने तथा विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। जानकारी के अनुसार जखोल निवासी अभिषेक पुत्र सुबेलाल (17) छानियों और बगीचे की ओर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में अचानक एक भालू ने उस पर हमला कर दिया। उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक ने शोर मचाया तो इससे भालू किशोर को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। इसके बाद ग्रामीणों ने घायल अभिषेक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोरी पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

पज्याणा मल्ला में सात साल बाद देवी पूजा शुरू

आदिबदरी। आदिबदरी के सिलपाटा क्षेत्र स्थित पज्याणा मल्ला गांव में सात साल बाद तीन दिवसीय देवी पूजा शुरू हो गई है। पूर्व प्रधान मुकुंद सिंह नेगी ने बताया कि उनके गांव में सात साल पहले भराड़ी देवी की पूजा हुई थी। लंबे समय बाद पूजा होने से बड़ी संख्या में प्रवासी गांव पहुंचे हैं। रविवार को पंडित भगवती प्रसाद ने देवी थान में पूजा शुरू की और देवी–देवताओं का आह्वान किया। ग्रामीण ज्ञान सिंह और गोपाल सिंह ने बताया कि पूजा का समापन 17 नवंबर को होगा। इस दिन देवी के पश्वा और 64 बीरों की पूजा, यज्ञ तथा सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा।

मैखुरा गांव में पांडव नृत्य का समापन

कर्णप्रयाग। विकासखंड के मैखुरा ग्राम पंचायत में चार दिवसीय पांडव नृत्य का समापन हो गया है। अंतिम दिन भारी संख्या में लोगों ने अनुष्ठान में प्रतिभाग किया और पांडवों की पूजा अर्चना की। अंतिम दिन पांडव चौक पर पांडवों की पूजा की गई। इसके बाद ढोल दमाऊं की थाप और मंत्रोचार के साथ जागरों पर पांडवों के पश्वाओं ने नृत्य किया। साथ ही श्रद्धालुओं को सुख समृद्धि का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में शांति प्रसाद, आशाराम, दिनेश चंद्र मैखुरी, गणमति मैखुरी, जगदंबा प्रसाद, गिरीश मैखुरी, संजय मैखुरी, प्रधान हेमंती देवी, देवी प्रसाद मैखुरी, दीपक मैखुरी आदि मौजूद थे।

पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया

कर्णप्रयाग। पीएमश्री वीसी दरवान सिंह राजकीय इंटर कॉलेज में छात्र–छात्राओं के लिए कॅरिअर काउंसलिंग कार्यक्रम हुआ। विधायक अनिल नौटियाल ने कर्णप्रयाग और गैरसैंण के विद्यालयों को विधायक निधि से पुस्तकें वितरित कीं। बहुभाषी लेखक धर्मसिंह फरस्वाण ने विद्यार्थियों को फ्रेंच, जर्मन, अंग्रेजी और हिंदी जैसी विदेशी भाषाओं से अंतरराष्ट्रीय कॅरिअर के अवसर बताए। उन्होंने मोबाइल से दूरी बनाकर पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर फरस्वाण ने विद्यालय के पुस्तकालय को पुस्तकें भी भेंट कीं। कार्यक्रम में भुवन नौटियाल, शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री और लड्डू

बाल दिवस पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन



आयोजित कार्यक्रम के दौरान बच्चों को सामग्री देते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बाल दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब कोटद्वार की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय नजीबाबाद रोड में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पाठ्य एवं स्टेशनरी सामग्री वितरित करने के साथ ही उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी क्लब की अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने किया। उन्होंने बच्चों को बाल दिवस के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और अनुशासन भी जीवन में सफलता के लिए जरूरी हैं। विद्यार्थियों को अभी से अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाषण, नृत्य एवं कविता पाठ की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रतिभा और उत्साह को देखकर अतिथियों ने उनका हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामग्री के साथ लड्डू वितरित किए गए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका विनीता ध्यानी, रोटरी क्लब की सचिव बीना रावत, ऊषा अग्रवाल, विजय कुमार माहेश्वरी, धीरजधर बछवाण, गोपाल बंसल, मनीष अग्रवाल, अमित अग्रवाल एवं कुलदीप अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मंदिर का गेट तोड़ने का प्रयास व अध्यक्ष से मारपीट करने वालों पर मुकदमा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सुखरो देवी मंदिर का गेट तोड़ने का प्रयास करने व मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेंद्र अण्ध्वाल के साथ मारपीट करने वाले तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मारपीट की घटना मंदिर परिसर में ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई।

मामले में राजेंद्र अण्ध्वाल की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि मंदिर के समीप रहने वाले कुछ लोग मंदिर के प्रवेश द्वार पर बने गेट का उपयोग निजी तौर पर कर रहे थे। यही नहीं निर्माण की सामग्री से लदी मालगाड़ी भी मंदिर के प्रवेश द्वार से ही लाई जा रही थी। जिससे कई बार मंदिर में हादसों का अंदेशा बना रहता था। बताया कि जब उन्होंने उक्त व्यक्ति की इस कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए तो वह गाली-गलौच करने लगा। यही नहीं अन्य लोगों को बुलाकर भी उनके साथ मारपीट भी की गई।

आरोप है कि उक्त व्यक्ति पूर्व में भी मंदिर की दीवार भी तोड़ चुके हैं। जिसकी शिकायत पुलिस से की गई थी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले में गोपाल, द्वारिका व सिद्धर्थ नाम के व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए राजेंद्र सिंह सती को सम्मानित किया

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, पारंपरिक ज्ञान और औषधीय पादपों के महत्व पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि मैती आंदोलन के प्रणेता पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने कहा कि प्राचीन भारत में वैमानिकी शास्त्र, सूर्य शास्त्र, ज्योतिष शास्त्र, सुश्रुत संहिता और रस विज्ञान जैसे विषयों का व्यापक ज्ञान था। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजेंद्र सिंह सती को सम्मानित किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. संजय शाह ने जीवनशैली और योग के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. राकेश गैरोला ने शिक्षा में संगीत, कला और खेल की भूमिका बताई। संगोष्ठी समन्वयक प्रो. अमित कुमार जायसवाल ने प्राकृतिक चिकित्सा, यज्ञ चिकित्सा, योग और औषधीय पादपों की प्रासंगिकता बताई। पूर्व प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार नेगी ने विद्यार्थियों से समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। डॉ. अरविंद भंडारी ने चेतन और अवचेतन मन की शक्ति पर विचार रखे। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजेंद्र सिंह सती को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डीएन जोशी और डॉ. विधि ढौंढियाल ने किया। संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक और छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण की अपील की

गोपेश्वर/पोखरी। बाल दिवस पर नंदानगर विकासखंड के ग्राम सैती स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में समलौण आंदोलन के तहत अमरूद का पौधा रोपा गया। पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक खुशाल सिंह नेगी ने ली। कार्यक्रम का संचालन समलौण आंदोलन की संयोजिका नंदा देवी जोशी ने किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं से पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण की अपील की। इधर, राबाइंका पोखरी में बाल दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

पार्किंग में खड़े वाहन में लगी आग



गोपेश्वर। विकास भवन के सामने नगर निगम की पार्किंग में खड़े एक वाहन में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। वाहन से आग की तेज लपटें उठने लगीं। सूचना मिलने पर फायर स्टेशन गोपेश्वर की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग बुझाने वाली टीम में लीडिंग फायरमैन अतर सिंह राणा, चालक नितिन जोशी, फायरमैन परविंद्र सिंह चौहान, प्रेम प्रकाश और पवन सिंह शामिल रहे। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण पाकर दिव्यांगों के खिले चेहरे



पोखड़ा में आयोजित शिविर के दौरान दिव्यांगजन की जांच करते विशेषज्ञ।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पोखड़ा में सराहनीय पहल की गई। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से टियारा ऑफ होप फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित चार दिवसीय निश्शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर में पहले दिन 32 दिव्यांगजनों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

शिविर में 17 लोगों को कृत्रिम अंग और 15 लोगों को दिव्यांग सहायक उपकरण वितरित किए गए। ब्लाक प्रमुख पोखड़ा संजय गुसाईं ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। टियारा ऑफ होप फाउंडेशन के संस्थापक एवं समन्वयक हिमांशु धस्माना ने कहा कि संस्था की ओर से प्रत्येक वर्ष पोखड़ा में शिविर आयोजित किया जाएगा, ताकि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद दिव्यांगजनों को भी इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियां आसान होंगी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अरविंद धस्माना, सुषमा धस्माना, फील गुड के संस्थापक सुधीर सुंद्रियाल, अरुणोदय बिष्ट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कृष्ण जन्म की झांकी निकाली



गोपेश्वर। नगर क्षेत्र में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथावाचक आचार्य पंडित कुशलानंद सती ने श्रद्धालुओं को भक्त प्रह्लाद की कथा का श्रवण कराया। उन्होंने प्रह्लाद की अटूट भक्ति और भगवान के प्रति उनकी श्रद्धा का वर्णन करते हुए कहा कि सच्ची भक्ति में इतनी शक्ति होती है कि विपरीत परिस्थितियां भी भक्त का विश्वास डिगा नहीं सकतीं। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की झांकी निकाली गई। कृष्ण जन्म की झांकी देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से कथा स्थल का वातावरण भक्तिमय हो गया। कथा समापन के बाद महिलाओं ने भजन–कीर्तन किए। इस मौके पर आयोजक शशि हटवाल, विक्की, सुरुचि, मुरली हटवाल, सत्यप्रसाद, भगवती प्रसाद, गोविंद, महिधर, मनोज कोठियाल, ममता, सतीश नैनवाल, रेनू, हरीश कुमेड़ी, कविता और रामेश्वरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

कस्बीनगर–विनायकधार सड़क निर्माण दो साल से अटका



थराली। कस्बीनगर–विनायकधार पांच किमी सड़क का निर्माण वन भूमि की मंजूरी नहीं मिलने से अधर में है। सड़क बनने से थराली से ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण की दूरी 90 से घटकर 45 किमी रह जाएगी। साथ ही पिंडर और खंसर घाटी के 20 से अधिक गांवों की 12 हजार से अधिक आबादी को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

पांच किमी सड़क में एक किमी लोनिवि थराली और चार किमी लोनिवि गैरसैंण के अंतर्गत है। पिंडर–खंसर संघर्ष समिति लंबे समय से इसके निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। विधायकों के आश्वासन पर अनशन समाप्त किया गया था लेकिन दो साल बाद भी निर्माण में प्रगति नहीं हुई। समिति सदस्यों ने सीमांत क्षेत्र की जरूरत को देखते हुए जल्द सड़क बनाने की मांग की है। वहीं लोनिवि गैरसैंण के अधिशासी अभियंता जगदीश प्रसाद थपलियाल ने बताया कि घना जंगल होने के कारण केंद्र सरकार ने पहली बार प्रस्ताव खारिज कर दिया था। जनदबाव के बाद सर्वेक्षण बदलकर प्रस्ताव वन विभाग को भेजा गया। अब तीसरी बार फाइल वन विभाग में है। स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। वहीं, लोनिवि थराली के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि कस्बीनगर से विनायकधार तक स्वीकृत दो किमी सड़क में एक किमी का निर्माण हो चुका है। शेष एक किमी वन भूमि के कारण अटका है।

राजकीय इंटर कॉलेज में एनसीसी शुरू करने की मांग

देवाल। जनप्रतिनिधियों, अभिभावक संघ और पूर्व सैनिकों ने राजकीय इंटर कॉलेज देवाल में एनसीसी इकाई शुरू करने की मांग मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से की।

उन्होंने कहा कि ब्लॉक के किसी भी विद्यालय में एनसीसी नहीं है। इससे छात्र–छात्राओं को बाहर के विद्यालयों में प्रवेश लेना पड़ता है। प्रधान संघ अध्यक्ष खिलाप बिष्ट और महामंत्री नरेंद्र बिष्ट, पूर्व जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मण बिष्ट कहा कि एनसीसी खोलने का प्रस्ताव सरकार को कई बार भेजा गया है। पीएमश्री इंटर कॉलेज देवाल के प्रधानाचार्य पीएस रावत ने बताया कि अभिभावक संघ और विद्यालय स्तर से भी प्रस्ताव भेजा गया है लेकिन अभी तक एनसीसी शुरू नहीं की गई है। ।

बेकाबू वाहन ने दो बाइको को मारी टक्कर, चालक फरार



जिलासू। बदरीनाथ हाईवे पर स्थित लंगासू मुख्य बाजार में एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने सड़क किनारे खड़ी दो बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार घटना रात की है। एक तेज रफ्तार वाहन ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकले लेकिन तब तक चालक फरार हो चुका था। स्थानीय यशवंत असवाल ने लंगासू पुलिस चौकी और आपातकालीन सेवा 112 को घटना की सूचना दी। क्षतिग्रस्त हुई बाइकों में एक नाजिम और दूसरी समीम अख्तर दोनों ठेकेदार की बताई जा रही है। पुलिस ने मौके का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वाहन और चालक की पहचान के लिए बाजार क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

जिला अस्पताल को बेस बनाने पर अड़े आंदोलनकारी

नई टिहरी। जिला अस्पताल बौराड़ी को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाने की मांग पर संयुक्त संघर्ष समिति अड़ी हुई है। रविवार को धरना स्थल पर वार्ता को पहुंचे विधायक किशोर उपाध्याय ने आंदोलनकारियों से भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला अस्पताल बौराड़ी को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाने संबंधी समिति का प्रस्ताव मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजेंगे। समिति से जुड़े लोगों ने कहा कि लिखित पत्र मिलने के बाद ही आंदोलन स्थगित करने पर विचार किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य जीतराम भट्ट व राहुल बुटोला की भूख हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही।

विधायक उपाध्याय और भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय कठैत बौराड़ी गणेश चौक धरना स्थल पर पहुंचे। संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, प्रवक्ता महीपाल सिंह नेगी, कमल सिंह महर, डॉ. यूएस नेगी, व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवराज सजवाण, महामंत्री संदीप रावत ने कहा कि जब तक जिला अस्पताल बौराड़ी को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाने की मांग पूरी नहीं होती, आंदोलन स्थगित नहीं किया जाएगा। आंदोलनकारियों ने कहा कि नई टिहरी शहर में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और समग्र विकास के लिए जिला अस्पताल बौराड़ी को बेस अस्पताल बनाया जाना जरूरी है। विधायक ने समिति से बैठक कर स्पष्ट मांगपत्र तैयार करने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि मांगपत्र मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपा जाएगा। समिति ने कोर कमेटी की बैठक कर प्रस्ताव का ड्राफ्ट तैयार करने और उसे विधायक व सरकार को देने की बात कही। इस मौके पर नरोत्तम दत्त जखमोला, उन्नंद के जिलाध्यक्ष डीडी पंत, भगवान देई तोपवाल, जिला पंचायत सदस्य विजयपाल रावत, देवेंद्र नौडियाल, लखवीर चौहान आदि मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कर्मचारी एकता संगठन की विमला चुनी गईं अध्यक्ष

कर्णप्रयाग। बाल विकास कार्यालय परिसर में आंगनबाड़ी कर्मचारी/सहायिका कर्मचारी एकता संगठन की एक बैठक हुई। बैठक में विभिन्न ब्लॉकों से आए पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।

इस दौरान विमला गैरोला को जिला अध्यक्ष, आशा कुटोला को उपाध्यक्ष, मंजू डिमरी को कोषाध्यक्ष, दुर्गा जोशी को सचिव, पूजा रजवार को मीडिया प्रभारी, रेखा रावत को जिला मंत्री और शकुंतला भंडारी को जिला संगठन मंत्री चुना गया है। बैठक में गैरसैंण, कर्णप्रयाग, नारायणबगड़, थराली, देवाल और नंदनगर आदि ब्लॉकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रामलीला में सूर्पणखा और सीता हरण का मंचन हुआ



नरेंद्रनगर (टिहरी)। नरेंद्रनगर में संचालित रामलीला में शनिवार रात को कलाकारों ने सूर्पणखा, खर–दूषण वध, सीता हरण का मंचन हुआ। ठंड के बाद भी रामलीला मंचन देखने के लिए देर रात तक दर्शक पांडाल में जमे रहे। रामलीला मंचन में शूर्पणखा का राम–लक्ष्मण को रिझाने, लक्ष्मण क्रोधित होकर सूर्पणखा का नाक–कान काटना। जिसके बाद खर–दूषण राम लक्ष्मण से युद्ध करने पहुंचते हैं, लेकिन युद्ध में राम के हाथों दोनों मारे जाते है। रावण सीता का हरण आदि का मंचन किया गया। रामलीला मंचन में पंकज डिंडूडी, शौर्य, विपिन, शैलेंद्र नौटियाल, आशीष बिजल्वाण के अभिनय को देखकर दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। इस मौके पर राधेश्याम, रागनी, रमेश असवाल, दिनेश कर्णवाल, धूम सिंह नेगी, द्वारिका प्रसाद जोशी, संतोष राणा, सुरेश शर्मा, महेश गुसाईं, राकेश बहुगुणा, पवन डिंडूडी, राजू भारती, हितेश जोशी आदि मौजूद थे।

एक नजर

कुत्ते का पीछा करते हुए मकान के बाथरूम में घुसा गुलदार

रुद्रप्रयाग/जखोली। सुमाड़ी बाजार में रात के समय एक गुलदार कुत्ते का पीछा करते हुए दिनेश चंद्र थपलियाल के मकान की दूसरी मंजिल पर बने बाथरूम में जा घुसा। बाथरूम का दरवाजा अचानक बंद होने से गुलदार अंदर ही कैद हो गया।

सुबह परिवार के सदस्य को बाथरूम से गुर्राने की आवाज सुनाई दी तो घटना का पता चला। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर गुलदार को ट्रेंकुलाइज किया और सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कुत्ता और गुलदार करीब छह घंटे तक बाथरूम में बंद रहे लेकिन गुलदार ने उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक लावारिस कुत्ता दिनेश चंद्र थपलियाल के मकान की दूसरी मंजिल पर बने बाथरूम में घुस गया था। उसका पीछा करते हुए गुलदार भी अंदर पहुंच गया। इसी दौरान अचानक दरवाजा बंद हो गया और कुत्ता व गुलदार बाथरूम में बंद हो गए। सुबह करीब साढ़े चार बजे परिवार का एक सदस्य बाथरूम गया तो अंदर से गुर्राने की आवाज सुनाई दी। उसने बाहर से बाथरूम का दरवाजा बंद कर दिया और परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सुबह पांच बजे वन विभाग को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में दहशत फैल गई।

कालेश्वर में निष्प्रयोज्य बना शौचालय

कर्णप्रयाग। औद्योगिक क्षेत्र कालेश्वर और काल्दूबगड़ गांव के पास बना शौचालय निष्प्रयोज्य पड़ा है। करीब पांच साल से यह बंद पड़ा है। वहीं शौचालय परिसर में झाड़ियां उग आई हैं।

रेलवे स्टेशन सिवाई के पास कालेश्वर में सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय है। साथ ही यहां जीएमवीएन विश्राम गृह, लघु सिंचाई सहायक अभियंता कार्यालय एवं मिनी उद्योग केंद्र है।

हार्क अलकनंदा स्वायत्त समूह भी यहां कार्यरत है। ऐसे में यहां दिन में भी कई लोगों का आवागमन होता है। खुशहाल सिंह, उद्योग मित्र संगठन के ईश्वरी मैखुरी ने बताया कि लोगों की सुविधा के लिए करीब एक दशक पूर्व यहां शौचालय बनाया गया था लेकिन इसका संचालन विभाग नहीं कर पाया। शौचालय ठप होने से लोग खुले में शौच करने के लिए मजबूर हैं। वहीं सुलभ इंटरनेशनल चमोली के व्यवस्था प्रमुख मनोज झा ने बताया कि कालेश्वर शौचालय में पानी की आपूर्ति की समस्या है। कोरोना के बाद यहां कर्मचारी नहीं होने से भी इसका संचालन ठप हो गया है।

बंदरों को पकड़ने की मांग

अगस्त्यमुनि। नगर पंचायत क्षेत्र में बंदरों का उत्पात लगातार बढ़ रहा है। बाजार, स्कूल–कॉलेज, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और खंड विकास कार्यालय के आसपास बंदरों के झुंड लोगों के लिए परेशानी बने हुए हैं। बंदर दुकानों से सामान उठा रहे हैं। वहीं राहगीरों और स्कूली बच्चों को हमले का डर सता रहा है। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से बंदरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की मांग की है।

स्थानीय अमित पालीवाल ने बताया कि बंदर दुकानों में रखे सामान पर झपट्टा मारकर दुकानदारों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। छात्रा रुचि बहुगुणा ने कहा कि कॉलेज जाते समय रास्ते में बंदरों का डर बना रहता है। व्यापार संघ अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह नेगी ने बाजार और सार्वजनिक स्थलों से बंदरों को पकड़ने के लिए नियमित अभियान चलाने की मांग की। वहीं नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी निकिता भट्ट ने बताया कि पिछले महीने अभियान चलाकर 65 बंदरों को पकड़ा गया था। आगे भी अभियान चलाकर बंदरों को पकड़ा जाएगा।

बाल दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया





कोटद्वार। बाल दिवस के शुभ अवसर पर IYTDA CALC, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एवं बुरांश कोचिंग के संयुक्त तत्वावधान में बाल दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में IYTDA CALC के निदेशक डॉ. नंद किशोर जखमोला, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज की निदेशक श्रीमती अनीता जखमोला तथा बुरांश कोचिंग के निदेशक श्री अरविंद दुदपुडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों को अपना स्नेह एवं आशीर्वाद प्रदान करने के लिए कळऊअ उअछउ के निदेशक डॉ. नंद किशोर जखमोला जी की माताजी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही, जिसने कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन स्वाति कंडवाल द्वारा किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम की आगे की जिम्मेदारी एंकर अदिति एवं अंजलि ने कुशलतापूर्वक संभाली।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण IYTDA CALC के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पांडव नृत्य रहा, जिसने उत्तराखंड की लोकसंस्कृति एवं पारंपरिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। वहीं अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज के विद्यार्थियों द्वारा माँ नंदा देवी राजजात यात्रा का भव्य दृश्य प्रस्तुत किया गया, जिसने उत्तराखंड की धार्मिक आस्था, संस्कृति एवं परंपराओं की सुंदर झलक दिखाई। इस अवसर पर भारत सिंह रावत,नितेश रावत , स्वाति कंडवाल, सौरभ घनसेला, , शौर्य नैथानी, रजनी रावत,कशिश अंशिका डंगवाल, प्रिया जखमोला, अलका रावत, श्रीमती लक्ष्मी देवी, श्रीमती रोशनी देवी एवं मोहित ठाकुर सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर तीनों संस्थानों के निदेशकों ने सभी विद्यार्थियों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। उन्होंने बच्चों को जीवन में बड़े सपने देखने, निरंतर मेहनत करने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा शिक्षा के साथ–साथ अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके सर्वांगीण विकास के लिए उचित मार्गदर्शन, संस्कार एवं प्रोत्साहन अत्यंत आवश्यक हैं। समारोह का समापन उत्साह, उमंग और यादगार पलों के साथ हुआ।

"समारोह के समापन पर संस्थानों की ओर से सभी विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों के लिए सामूहिक भोज की विशेष व्यवस्था की गई। सभी ने आपसी प्रेम, सौहार्द एवं उत्साह के वातावरण में भोजन ग्रहण किया। इस आत्मीय आयोजन ने बाल दिवस की खुशियों को और भी यादगार बना दिया।"

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला महिला का शव

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के कांडा गांव में एक महिला (34) का शव संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में पेड़ से लटका मिला। महिला की मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए। शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बौराड़ी भेज दिया गया है। पुलिस को अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

पुलिस के अनुसार बांडा गांव निवासी प्यारे लाल की पत्नी सुमित्रा देवी (34) का शव 14 नवंबर को गांव से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में पेड़ पर रस्सी के सहारे लटका मिला। मृतका का पति प्यारे लाल मसूरी में एक होटल में नौकरी करता है। वह 13 नवंबर को ही घर आया था। 14 नवंबर को अपराह्न के समय गांव की एक महिला खेतों में गोबर डालने गई थी। इसी दौरान उसने पेड़ से लटका महिला का शव लटका देखा। सूचना मिलने पर पति और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने सुमित्रा को पेड़ से नीचे उतारा और बेहोश समझकर घर ले आए लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मृतका के मायके पक्ष को दी गई। सूचना पर उसके पिता गुणानंद और भाभी भी गांव पहुंचे। पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में घटनास्थल की जांच की और शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बौराड़ी भेजा। मृतका का मायका प्रतापनगर ब्लॉक के ओखलाखाल गांव में है। उसका विवाह वर्ष 2013 में हुआ था। उसका एक बेटा और एक बेटी है। कंडीसौड़ छाम थानाध्यक्ष दिलवर सिंह नेगी ने बताया कि मृतका के मायके पक्ष की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। मृतका के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं।

झड़ियों में मिला लापता युवक

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग के तिलनी क्षेत्र से लापता हुए युवक को एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीम ने झाड़ियों से सकुशल रेस्क्यू कर लिया। इसके बाद युवक को 108 एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि रविवार सुबह 10:13 बजे सतवीर सिंह रावत ने युवक के लापता होने की सूचना दी। आशीष (32) विगत शाम से लापता था। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है। युवक के कपड़े और जूते गुरु राम राय पब्लिक स्कूल, रुद्रप्रयाग के समीप ग्राम सिलनी में सड़क किनारे नदी के ऊपर पहाड़ी पर मिले थे। सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन अधिकारी ने एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमों को घटनास्थल के लिए रवाना किया। टीमों ने खोजबीन और रेस्क्यू अभियान चलाकर युवक को पहाड़ी के बीच झाड़ियों से सकुशल बाहर निकाला।

गरवाण गांव और मंदार की टीमें अगले राउंड में पहुंची

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर के ग्राम पंचायत बागी में स्व. गंभीर बगियाल की स्मृति में क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले व दूसरे मुकाबले में गरवाण गांव और मंदार की टीम ने अपने–अपने मैच जीतकर अगले राउंड में प्रवेश किया। टूर्नामेंट आयोजक समिति के अध्यक्ष संदीप बगियाल ने बताया कि गरवाण गांव की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 90 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कुराण गांव की टीम मात्र 70 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। प्रतियोगिता का दूसरा मुकाबला मंदार और भेलुंता की टीमों के खेला गया। मंदार की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 135 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भेलुंता की टीम रोमांचक मुकाबले में 7 रन से मैच हार गई। इससे पूर्व प्रतापनगर के पूर्व विधायक विजय सिंह पंवार ने टूर्नामेंट का शुभारंभ करते हुए कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने, टीम भावना विकसित करने का सबसे बेहतर माध्यम है। उन्होंने युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे आने के लिए हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया है। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेश रतूड़ी, लक्ष्मण बगियाल, अंकित राणा, भगत राणा, मानभावन बगियाल, संतोष बगियाल आदि मौजूद थे।

डाट पुलिया के समीप नेशनल हाईवे गड्ढों में तब्दील हो गया

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में गड्ढा मुक्त सड़क अभियान के दावों के बीच जिला मुख्यालय के मुख्य बाजार में डाट पुलिया के समीप नेशनल हाईवे गड्ढों में तब्दील हो गया है जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है।

विभाग की ओर से बार–बार मरम्मत के बावजूद कुछ ही दिनों में सड़क की स्थिति फिर बिगड़ जाती है जिससे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और भ्रष्टाचार पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

इस खस्ताहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कांग्रेस प्रवक्ता नरेंद्र बिष्ट और नेता लक्ष्मण सिंह रावत ने आरोप लगाया कि गड्ढा मुक्त अभियान के नाम पर सिर्फ औपचारिकता पूरी हो रही है और घटिया सामग्री के इस्तेमाल के कारण सड़कें टिक नहीं पा रही हैं। उन्होंने कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी पर भी निशाना साधा। कहा कि वह खुद इन्हीं रास्तों से गुजरते हैं लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

वहीं कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि जनपद में सड़कों की लंबाई अधिक होने के कारण सभी मार्गों का ट्रीटमेंट करने में समय लग रहा है। जल्द सभी सड़कों को दुरुस्त कर दिया जाएगा।

क्षय रोगियों को पोषण आहार बांटा

रुद्रप्रयाग। जिला अस्पताल में हंस कल्चरल सेंटर के माध्यम से 10 क्षय रोगियों को पोषण आहार वितरित किया गया। हंस कल्चरल सेंटर के माध्यम से यह कार्यक्रम राज्य के विभिन्न स्थलों पर कई वर्षों से किया जा रहा है। इस अवसर पर पूनम किमोठी ने रोगियों को नियमित रूप से दवाई लेने और सफाई के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि कोई समस्या होने पर अपने नज़दीकी सरकारी अस्पताल जहां से उपचार चल रहा हो वहां संपर्क करें। इस अवसर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. कुणाल चौधरी, वरिष्ठ फार्मेसी अधिकारी लखपत सिंह, पैथोलॉजिस्ट डॉ. मनीष कुमार, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कालिका भट्ट, डीपीएस सुनील राण, हरीश चौधरी, सुषमा गुसाईं आदि उपस्थित रहे।

केदारखंड मंदिर माला में शामिल होंगे केदारनाथ विस के सभी तीर्थ : आशा

चोपता। तल्लानागपुर कृषि औद्योगिक विकास मेले का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुभारंभ हो गया है। पांच दिवसीय इस मेले का उद्घाटन केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने किया। उन्होंने कहा कि केदारनाथ विस क्षेत्र के सभी तीर्थों को केदारखंड मंदिर माला के तहत विकसित करने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने चोपता बाजार में परेड निकाली। वहीं छात्र–छात्राओं ने गढ़वाली लोकगीतों व लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

रविवार को तल्ला नागपुर मेले का शुभारंभ केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने किया। उन्होंने कहा कि मेले हमारी समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता के संवाहक हैं। इनसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि चोपता–तुंगनाथ–तल्लानागपुर पेयजल योजना के पुनर्गठन, पॉलिटेक्निक भवन, वाहन पार्किंग आदि के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही केदारनाथ विधानसभा के सभी तीर्थों को केदारखंड मंदिर माला के तहत विकसित करने की कार्ययोजना तैयार हो रही है। उन्होंने मेला समिति को सहयोग के तौर पर चार लाख रूपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सम्पन्न नेगी ने कहा कि मेले से स्थानीय उत्पादों और कृषि को बढ़ावा मिलता है। मेले के पहले दिन छात्र–छात्राओं ने गढ़वाली लोकगीतों व लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेला समिति अध्यक्ष ललित मोहन मेवाल ने की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष लक्ष्मण बर्त्वाल, सचिव विरेंद्र कुनियाल, कोषाध्यक्ष यशपाल सिंह रावत, भाजपा मण्डल अध्यक्ष अर्जुन सिंह नेगी, प्रधान सरोजनी देवी, साधना देवी, आजाद खत्री, अखिलेश नेगी, लक्ष्मण सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

पीएनबी की डिजिटल कारोबार के विस्तार के जरिये गैर-ब्याज आय बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), अपनी गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए डिजिटल कारोबार के विस्तार पर जोर दे रहा है। बैंक को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष से क्रेडिट कार्ड और नकदी प्रबंधन सेवाओं से प्रत्येक तिमाही में लगभग 200-200 करोड़ रुपये का मुनाफा होगा, जिससे कुल 400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जा सकेगा। पीएनबी के एक अे धिकारी ने बताया कि बैंक ने क्रेडिट कार्ड, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण और नकदी प्रबंधन सेवा के लिए अलग-अलग डिजिटल मंच तैयार किए हैं। उनका लक्ष्य है कि शुल्क आधारित आय में वृद्धि कर ट्रेजरी से होने वाली कमाई और ऋण वसूली से जुड़ी संभावित चुनौतियों का सामना किया जा सके। बैंक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू होने के बाद अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों की संख्या 6.04 लाख से बढ़ाकर लगभग 11 लाख कर दी है, जिसका लक्ष्य मार्च 2027 तक 13 लाख से अधिक करना है। वहीं, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण में नौ महीने में 5,200 करोड़ रुपये का बकाया पोर्टफोलियो बन चुका है। नकदी प्रबंधन सेवा से मौजूदा 130-140 करोड़ रुपये के तिमाही मुनाफे को भी 200 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इन आय स्रोतों को बढ़ाने के साथ-साथ पीएनबी परिचालन लागत कम करने पर भी ध्यान दे रहा है। बैंक का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में लागत-आय अनुपात को 50 प्रतिशत से नीचे और 2028-29 तक 45 प्रतिशत तक लाना है, जो वर्तमान में 50.38 प्रतिशत है। चंद्रा के अनुसार, ये पहल बैंक की समग्र लाभप्रदता में और सुधार करेंगी।

भारत-मिस्र ऊर्जा सहयोग पर जोर, गोयल ने अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक से की मुलाकात

काहिरा ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी मिस्र यात्रा के दौरान 14 नवंबर को काहिरा में मिस्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के अध्यक्ष अहमद अल्स्वेदी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य भारत-मिस्र के बीच व्यापारिक एवं निवेश सहयोग को नई दिशा देना और भारत में अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करना था। गोयल ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि बैठक के दौरान विद्युत उपकरण, स्मार्ट मीटर और डेटा केंद्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अल्स्वेदी को भारत के विशाल बाजार, तीव्र विकास और निवेश, नवोन्मेषण व कारोबार विस्तार के व्यापक अवसरों से अवगत कराया। बिजली केबल, समाधान और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए भारत एक आकर्षक गंतव्य हो सकता है। गोयल 132 सदस्यीय भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ मिस्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

जोमैटो-ब्लिंकइट की कंपनी ईवी लक्ष्य की समयसीमा पर पुनर्विचार करेगी

नई दिल्ली ।

जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी इटर्नल ने वर्ष 2030 तक अपने डिलिवरी बेड़े को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में बदलने के लक्ष्य पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है। कंपनी ने व्यापार विस्तार, ईवी उपलब्धता और सरकारी नीतियों को इस बदलाव का मुख्य कारण बताया है। कंपनी की एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने स्वीकार किया कि मौजूदा परिस्थितियों में लक्ष्य हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। जब लक्ष्य तय हुआ, तब 1.5 लाख सक्रिय पार्टनर थे, जो अब बढ़कर 12 लाख (जोमैटो व ब्लिंकइट) हो गए हैं। इस विस्तार ने ईवी बदलाव को जटिल बना दिया है। अब यह लक्ष्य केवल दोपहिया नहीं, बल्कि हाइपरप्योर के ट्रकों सहित पूरे इटर्नल समूह के बेड़े पर लागू होगा। इटर्नल हरित परिवहन के प्रति प्रतिबद्ध है और इसे आर्थिक रूप से भी लाभदायक मानती है। कंपनी के बेड़े में पहले से ही 12-13 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन हैं, जो बाजार औसत से दोगुना है। कंपनी भागीदारों को प्रोत्साहन, किराये के विकल्प देकर इसे बढ़ावा दे रही है। हालांकि, अंजलि कुमार ने कहा कि 900 शहरों में लाखों भागीदारों के लिए भरोसेमंद व किफायती ईवी उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी बताया कि ईवी नीतियां बनाते समय भागीदारों की आर्थिक स्थिति व आजीविका का ध्यान रखना अहम है। नए लक्ष्य की समयसीमा 2035 तक बढ़ाई जा सकती है, जिसका निर्णय ईवी नीति के क्रियान्वयन पर निर्भर होगा।

रेजरपे आईपीओ को मिली सेबी की मंजूरी, 6,500 करोड़ तक जुटाएगी कंपनी

2027 की पहली तिमाही में लिस्टिंग संभव, वित्त वर्ष 25 में राजस्व बढ़ा, लेकिन घाटा भी हुआ

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनी रेजरपे को आखिरकार शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से हरी झंडी मिल गई है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 5,500 से 6,500 करोड़ रुपए तक जुटाना है और इसकी लिस्टिंग 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है। यह कदम फिनटेक सेक्टर में रेजरपे की बढ़ती साख और निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है, हालांकि कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ-साथ घाटा भी दर्ज किया गया है। सेबी की मंजूरी और वैल्यूएशन की स्थिति रेजरपे को हाल ही में सेबी से ड्राफ्ट आईपीओ दस्तावेजों पर अंतिम टिप्पणियां मिली थीं, जिसके बाद कंपनी अब अपनी लिस्टिंग की दिशा में आगे बढ़ सकती है। कंपनी ने जून में गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया था। बाजार में रेजरपे का संभावित वैल्यूएशन करीब 5 अरब डॉलर (लगभग 49,000-50,000 करोड़ रुपए) आंका जा रहा है, जो 2021 में मिले 7.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन से कम है। आईपीओ में 2,700 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा बेच सकेंगे। एक्सिस कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटी और कोटक महिंद्रा कैपिटल इस आईपीओ के प्रमुख सलाहकार हैं। बाजार का रुख और रेजरपे की रणनीति रेजरपे ऐसे समय में आईपीओ ला रही है, जब नई टेक कंपनियों की कमाई, ग्रोथ और वैल्यूएशन पर निवेशक कड़ी नजर रख रहे हैं। वॉलमार्ट समर्थित फोनपे जैसी कंपनियों ने भी बाजार की अनिश्चितता के कारण अपनी आईपीओ योजना टाल दी थी। 2014 में स्थापित, रेजरपे कारोबारियों को ऑनलाइन, ऑफलाइन और क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सहित विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी ने अपने ऑफलाइन पेमेंट कारोबार की रणनीति में बदलाव किया है,



जिससे लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने मई 2025 में अमेरिका से भारत मुख्यालय स्थानांतरित कर रिवर्स फ्लिप प्रक्रिया पूरी की है, जिससे भारतीय बाजार में लिस्टिंग का रास्ता साफ हो गया।

मुंबई में सीएनजी फिर महंगी, 91.50 रुपए प्रति किलो पहुंचा दाम

साल में आठवीं बढ़ोतरी, जनवरी से अब तक 11 रुपये महंगा हुआ ईंधन

नई दिल्ली ।

मुंबई और आसपास के इलाकों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं, जिसने वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार, 15 नवंबर को सीएनजी के दाम में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया, जिसके बाद अब इसका खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ये नई दरें 14 नवंबर की आधी रात से लागू हो गई हैं। यह इस साल की आठवीं वृद्धि है। जनवरी में 80.50 रुपये प्रति किलोग्राम रही सीएनजी की कीमत में अब तक कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है, जो लगभग 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस वृद्धि से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में लगभग 12.93 लाख सीएनजी वाहनों, जिनमें ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और निजी गाड़ियां शामिल हैं, के मालिकों का ईंधन खर्च बढ़ जाएगा। महानगर गैस लिमिटेड ने कीमतों में बढ़ोतरी की वजह गैस खरीदने की बढ़ती लागत, घरेलू प्राकृतिक गैस के कम आवंटन और आयातित रीगैसिफाइड लिक्विफाइड नेचुरल गैस पर बढ़ती निर्भरता को बताया है। कंपनी के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संकट और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव ने उनकी इनपुट लागत को काफी बढ़ा दिया है। एमजीएल ने कहा कि यह बढ़ोतरी लागत के बढ़ते बोझ को कुछ हद तक कम करने और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए की गई है। कंपनी लागत नियंत्रण के प्रयास जारी रखने का दावा कर रही है।

टाटा स्टील 27 तक एनआईएनएल विलय पूरा करेगा

40 हजार करोड़ रुपए के विस्तार का मार्ग प्रशस्त

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील वित्त वर्ष 2026-27 तक नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का अपने साथ विलय करने की प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी में है। कंपनी के एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि इस रणनीतिक कदम से ओडिशा में 40,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस्पात उत्पादन क्षमता के बड़े विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यकारी निदेशक चटर्जी ने पुष्टि की कि विलय प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। हालांकि, इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की अंतिम मंजूरी का इंतजार है, जिसकी सुनवाई इसी महीने के अंत में प्रस्तावित है। विलय की मंजूरी मिलते ही टाटा स्टील एनआईएनएल की मौजूदा 10 लाख टन सालाना क्षमता में करीब 50 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता जोड़ेगी। यह 40,000 करोड़ रुपए का विस्तार मुख्य रूप से लंबे इस्पात उत्पादों, जैसे सरिया, के उत्पादन पर केंद्रित होगा। टाटा स्टील ने जुलाई 2022 में 12,100 करोड़ रुपए में एनआईएनएल का अधिग्रहण किया था। एनआईएनएल केंद्र सरकार की निजीकरण प्रक्रिया के तहत निजी हाथों में जाने वाली पहली सरकारी इस्पात कंपनी थी। यह विलय टाटा स्टील की ओडिशा में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और इस्पात कारोबार को मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

माइक्रोसॉफ्ट की ग्लोबल सेवाएं बहाल, 24 घंटे बाद मिली राहत

आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसी प्रमुख सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी सभी कंज्यूमर और एंटरप्राइज सेवाएं, जो 24 घंटे से अधिक समय से एक वैश्विक तकनीकी रुकावट के कारण बाधित थीं, अब पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। इस आउटेज ने दुनिया भर के लाखों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया, जिन्हें आउटलुक, टीम्स और माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सभी उपभोक्ता और उद्यम सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि की है, जिससे 24 घंटे से अधिक समय तक चली एक वैश्विक तकनीकी बाधा समाप्त हो गई है। कंपनी के सर्विस स्टेटस पेज पर सभी सेवाएं बहाल का संदेश पोस्ट किया गया, जो दुनिया भर में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए राहत की बात है। यह समस्या गुरुवार को शुरू हुई और शुक्रवार तक कई देशों में व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करती रही। आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट, शेयरपॉइंट ऑनलाइन और अन्य



क्लाउड-आधारित सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों के कारण ईमेल सेवाएं बाधित हुईं, वर्चुअल मीटिंग्स पर असर पड़ा और महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आई। माइक्रोसॉफ्ट ने इस वैश्विक आउटेज के लिए अपने ग्राहकों और साझेदारों से गहरा खेद व्यक्त किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह एक तकनीकी समस्या थी, जिसका साइबर हमले या एआई एजेंट्स से कोई लेना-देना नहीं था।

यह खराबी नेटवर्क क्षमता को बढ़ाने (नेटवर्क कैपेसिटी अपग्रेड) के दौरान आई, जो हाल ही में किए गए एक नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई।

साइकिल के पुर्ज़े से एआई-सैटेलाइट तक सुनील मित्तल का 50 साल का बेमिसाल सफ़र

मोबाइल एआरपीयू 350 रुपए करने पर जोर; एआई, क्लाउड और सैटेलाइट पर एयरटेल का भविष्य केंद्रित

नई दिल्ली ।

लुधियाना में साइकिल के पुर्जे बनाने की छोटी इकाई से शुरू होकर सुनील भारती मित्तल का सफर आज भारती एयरटेल को दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शामिल कर चुका है। समूह अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, और इस मौके पर मित्तल ने कंपनी के तकनीकी भविष्य की महत्वाकांक्षी रूपरेखा पेश की है। उनका लक्ष्य एयरटेल को महज दूरसंचार सेवा प्रदाता से आगे बढ़ाकर एक व्यापक प्रौद्योगिकी कंपनी बनाना है, जिसके केंद्र में संपर्क हो और विस्तार कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल वित्तीय सेवाओं, सॉवरेन क्लाउड और सैटेलाइट संचार तक हो। इस भविष्य की तस्वीर के साथ ही मित्तल ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत में मोबाइल सेवाओं की कीमतें बढ़नी चाहिए। उनके अनुसार, प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़कर 350 रुपए प्रतिमाह होना चाहिए, जो वर्तमान 271 रुपए से लगभग 29 फीसदी अधिक है। मित्तल ने बढ़ती परिचालन लागत और मोबाइल सेवाओं द्वारा प्रदत्त व्यापक सुविधाओं (बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य) का हवाला देते हुए इसे उचित ठहराया, जो प्रतिदिन 10-12 रुपये के खर्च पर उपलब्ध हैं। इस तकनीकी परिवर्तन को साकार करने के लिए भारत को अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की जरूरत है, जिसमें मोबाइल टावरों की संख्या दोगुनी करना और फाइबर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। मित्तल ने



2016 में रिलायंस जियो के प्रवेश जैसे महाभारत के दौर को याद करते हुए तीन निजी और एक सरकारी दूरसंचार कंपनी के आदर्श मॉडल का समर्थन किया।

केडब्ल्यू ग्रुप ने गाजियाबाद में खरीदी 1.5 एकड़ जमीन

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सेक्टर की प्रमुख कंपनी केडब्ल्यू ग्रुप ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने नीलामी के जरिए 134 करोड़ रुपए में 1.5 एकड़ (लगभग 5,965 वर्ग मीटर) फ्रीहोल्ड जमीन का अधिग्रहण किया है। इस भूखंड पर समूह एक अल्ट्रा-लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रहा है। केडब्ल्यू ग्रुप द्वारा गाजियाबाद के स्थानीय विकास प्राधिकरण से खरीदी गई यह जमीन इंदिरापुरम में एक रणनीतिक स्थान पर है।

इस परियोजना में करीब पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र के विकास की संभावना है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 877 करोड़ रुपए आंका गया है। इसे ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके प्रॉपर्टी फंड से 150 करोड़ रुपए का निवेश समर्थन भी प्राप्त है। केडब्ल्यू ग्रुप के एक अे धिकारी ने बताया कि इंदिरापुरम में अल्ट्रा-लग्जरी आवास की कमी थी, जिसके लिए खरीदारों को दिल्ली या नोएडा देखना पड़ता था। उनकी परियोजना इस अंतर को भरेगी और बड़े आकार के प्रीमियम आवास उपलब्ध कराएगी। वैधानिक स्वीकृतियां मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सेबी पूंजी बाजार में एआई इस्तेमाल के दिशानिर्देश जारी करेगा

निवेशक हित, पारदर्शिता व वित्तीय स्थिरता पर जोर

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार में कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। सेबी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इनका उद्देश्य प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के साथ निवेशकों के हितों, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता की रक्षा करना है। उन्होंने बताया कि इन दिशानिर्देशों में एआई के उपयोग की जानकारी देना, निर्णयों की जवाबदेही तय करना और महत्वपूर्ण फैसलों में मानवीय निगरानी बनाए रखना सुनिश्चित किया जाएगा। सेबी ने इस विषय पर पहले भी एक परामर्श पत्र जारी किया था। सेबी प्रमुख ने वित्तीय संस्थानों व सोशल मीडिया धोखाधड़ी से बढ़ते साइबर खतरों पर भी बात की। नियामक अपनी साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर रहा है, जिसके तहत मई में एक व्यवस्थित घटना-प्रतिक्रिया व्यवस्था शुरू की गई है। क्वांटम कंप्यूटिंग से संभावित खतरों के लिए सेबी मौजूदा कूटलेखन प्रणालियों की पहचान कर रहा है, क्योंकि 2032-2035 के बीच ये जोखिम गंभीर हो सकते हैं, जिसके लिए अभी से तैयारी जरूरी है। सेबी ने बाजार



निगरानी के लिए सुदर्शन जैसे तकनीकी उपकरण भी विकसित किए हैं। नियामक स्टार्टअप के लिए इनोवेटर्स ग्रोथ प्लेटफॉर्म (आईजीपी) को आकर्षक बनाने हेतु एक कार्यदल का गठन कर चुका है।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में 84,290 करोड़ निवेश किया

वैश्विक एआई शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट बनी प्रमुख वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर महीने में जोरदार वापसी दर्ज की है। लगातार दो महीने की शुद्ध बिकवाली के बाद एफपीआई ने नवंबर के पहले पखवाड़े (2 से 13 नवंबर) में भारतीय इक्विटी बाजारों में 84,290 करोड़ रुपये का विशाल शुद्ध निवेश किया है। यह पूंजी प्रवाह वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट जैसे अनुकूल कारकों से प्रेरित है, जिसने निवेशकों का ध्यान भारत की ओर खींचा है।

पूंजी प्रवाह और कारणों का विश्लेषण डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, यह महत्वपूर्ण निवेश अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये और सितंबर में 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के बाद आया है, जो भारतीय बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव है। इस ताजा निवेश के साथ, चालू वर्ष में भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी घटकर लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये रह गई है, जो कुछ सप्ताह पहले करीब तीन लाख करोड़ रुपये थी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस वापसी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई बिकवाली ने निवेशकों को प्रौद्योगिकी-केंद्रित बाजारों से हटकर अन्य बाजारों में निवेश के अवसर तलाशने पर मजबूर किया।

इसके अतिरिक्त, नवंबर के पहले सप्ताह में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट और इसका 97 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आना भी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहा। बड़ी भारतीय कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन भी एक वजह है।

सरकारी ठेकों में कम बोली पर शिकंजा, 30 फीसदी से अधिक छूट पर होगी जांच

गुणवत्ता व पारदर्शिता पर जोर, बोलीदाताओं से मांगा जाएगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली ।

सरकारी ठेकों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु वित्त मंत्रालय ने एक अहम कदम उठाया है। अब अनुमानित लागत से 30 फीसदी से अधिक कम मूल्य की बोली लगाने वाली कंपनियों की अनिवार्य रूप से जांच होगी। सरकारी खरीद में असामान्य रूप से कम बोली (एएलबी) की पहचान के लिए यह नई सीमा तय की गई है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के नए दिशा-निर्देशों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल कम कीमत की प्रतिस्पर्धा में काम की गुणवत्ता और समयबद्धता प्रभावित न हो। ऐसे मामलों में, संबंधित सरकारी एजेंसी बोली लगाने वाली कंपनी से लिखित स्पष्टीकरण मांगेगी, जिसमें उसे इतनी कम लागत में कार्य पूरा करने का विस्तृत तरीका बताना होगा। आवश्यकता पड़ने पर विस्तृत लागत विश्लेषण भी मांगा जा सकता है। हालांकि, केवल



कम बोली लगाना सीधे अस्वीकृति का कारण नहीं बनेगा। जांच के दौरान यदि कंपनी यह साबित करने में विफल रहती है कि वह प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता का काम करने में सक्षम है, तभी उसकी बोली रद्द की जा सकती है। पहले कम बोली की पहचान के लिए कोई निश्चित प्रतिशत नहीं था, जिससे विभिन्न विभागों में एकरूपता की कमी थी। सरकार का लक्ष्य प्रतिस्पर्धा को रोकना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि ठेका लेने वाली कंपनी प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप काम पूरा करे। यह नई व्यवस्था सरकारी खरीद में पारदर्शिता बढ़ाएगी और परियोजनाओं की गुणवत्ता तथा समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

10 दिनों में 8400 तक सस्ता हुआ सोना,चांदी 15000 लुढ़की

देवउठनी एकादशी से पहले बाजार में खुदरा मांग कमजोर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, पिछले 10 दिनों में इन कीमती धातुओं के भाव में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 24 कैरेट सोना 8,400 रुपये तक और चांदी 15,000 रुपये प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। यह गिरावट देवउठनी एकादशी से पहले कमजोर मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी के कारण आई है, जिससे त्योहारों से ठीक पहले ग्राहकों को खरीदारी का अच्छा मौका मिल रहा है। पिछले 10 दिनों में सोने के भाव में बड़ी गिरावट पिछले 10 दिनों के आंकड़ों पर गौर करें तो, 5 नवंबर 2026 को 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब घटकर 1,37,770 रुपये पर आ गया है, यानी 8,400 रुपये की बड़ी गिरावट।

इसी अवधि में 22 कैरेट सोना 7,700 रुपये सस्ता होकर 1,26,300 रुपये और 18 कैरेट सोना 6,300 रुपये सस्ता होकर 1,03,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है।

खास बात यह है कि 10 से 13 नवंबर के बीच लगातार चार दिनों तक सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे खरीदारों को बड़ी राहत मिली है। चांदी भी 15,000 रुपए सस्ती, मांग में सुस्ती प्रमुख कारण सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है।



हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है.



देवउठनी एकादशी

विष्णु-लक्ष्मी की उपासना का दिन

दीपावली के 11 दिन बाद देव प्रबोध उत्सव और तुलसी के विवाह को देवउठनी एकादशी कहते हैं। एकादशी का यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। क्षीरसागर में शयन कर रहे श्री हरि विष्णु को जगाकर उनसे मांगलिक कार्यों की शुरूआत कराने की प्रार्थना की जाती है। मंदिरों के व घरों में गन्नों के मंडप बनाकर श्रद्धालु भगवान लक्ष्मीनारायण का पूजन कर उन्हें बेर, चने की भाजी, आँवला सहित अन्य मौसमी फल व सब्जियों के साथ पकवान का भोग अर्पित किए जाते हैं। मंडप में शालिगराम की प्रतिमा व तुलसी का पौधा रखकर उनका विवाह कराया जाता है। इसके बाद मण्डप की परिक्रमा करते हुए भगवान से कुँवारों के विवाह कराने और विवाहितों के गौना कराने की प्रार्थना की जाती है। दीप मालिकाओं से घरों को रोशन किया जाएगा और बच्चे पटाखे चलाकर खुशियाँ मनाते हैं।

कैसे करें ग्यारस के दिन पूजन

- देवउठनी ग्यारस के दिन ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए।
- इस दिन घर के दरवाजे को पानी से स्वच्छ करना चाहिए, फिर चूने व गेरू से देवा बनाने चाहिए।
- उसके ऊपर गन्ने का मंडप सजाने के बाद देवताओं की स्थापना करना चाहिए। भगवान विष्णु का पूजन करते समय गुड़, रूई, रोली, अक्षत, चावल, पुष्प रखना चाहिए।
- पूजन में दीप जलाकर देव उठने का उत्सव मनाते हुए 'उठो देव बैठो देव' का गीत गाना चाहिए।

सामग्री- गंगा जल, शुद्ध मिट्टी, कुश, सप्तधान्य, हल्दी, कुमकुम, अक्षत, पंचरत्न, लाल वस्त्र, कपूर, पान, घी, सुपारी, रौली, दूध, दही, शहद, फल, शकर, फूल, नैवेद्य, गन्ने, हवन सामग्री, तुलसी पौधा, विष्णु प्रतिमा।

क्यों मनाते हैं देवउठनी एकादशी

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु व जलंधर के बीच युद्ध होता है। जलंधर की पत्नी तुलसी पतिव्रता रहती हैं। इसके कारण विष्णु जलंधर को पराजित नहीं कर पा रहे थे। जलंधर को पराजित करने के लिए भगवान युक्ति के तहत जालंधर का रूप धारण कर तुलसी का सतीत्व भंग करने पहुँच गए। तुलसी का सतीत्व भंग होते ही भगवान विष्णु जलंधर को युद्ध में पराजित कर देते हैं। युद्ध में जलंधर मारा जाता है। भगवान विष्णु तुलसी को वरदान देते हैं कि वे उनके साथ पूजी जाएँगी। एक अन्य कथा के अनुसार गंगा राधा को जड़त्व रूप हो जाने व राधा को गंगा के जल रूप हो जाने का शाप देती हैं। राधा व गंगा दोनों ने भगवान कृष्ण को पाषाण रूप हो जाने का शाप दे दिया। इसके कारण ही राधा तुलसी, गंगा नदी व कृष्ण सालिगराम के रूप में प्रसिद्ध हुए। प्रबोधिनी एकादशी के दिन सालिगराम, तुलसी व शंख का पूजन करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। देव प्रबोधिनी एकादशी का महत्व शास्त्रों में उल्लेखित है। गोधूलि बेला में तुलसी विवाह करने का पुण्य लिया जाता है। एकादशी व्रत और कथा श्रवण से स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

देवोत्थान एकादशी

कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव मनाया जाता है, किन्तु उत्तर भारत में इसका विशेष महत्व है। तुलसी को विष्णु-प्रिया भी कहते हैं। वैसे तो तुलसी विवाह के लिए कार्तिक शुक्ल नवमी की तिथि ठीक है परंतु कुछ लोग एकादशी से पूर्णिमा तक तुलसी पूजन कर पाँचवें दिन तुलसी का विवाह करते हैं। तुलसी विवाह की यही पद्धति अधिक प्रचलित है। इस दिन से हिन्दू समाज में विवाहादि मांगलिक कार्य भी पुनः प्रारंभ हो जाते हैं। इस एकादशी के उपवास से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।



देवउठनी एकादशी व्रत कथा

कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से भी जाना जाता है। एक राजा के राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। प्रजा तथा नौकर-चाकरों से लेकर पशुओं तक को एकादशी के दिन अन्न नहीं दिया जाता था। एक दिन किसी दूसरे राज्य का एक व्यक्ति राजा के पास आकर बोला- महाराज! कृपा करके मुझे नौकरी पर रख लें। तब राजा ने उसके सामने एक शर्त रखी कि ठीक है, रख लेते हैं। किन्तु रोज तो तुम्हें खाने को सब कुछ मिलेगा, पर एकादशी को अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने उस समय हाँ कर ली, पर एकादशी के दिन जब उसे फलाहार का सामान दिया गया तो वह राजा के सामने जाकर गिड़गिड़ाने लगा- महाराज! इससे मेरा पेट नहीं भरेगा। मैं भूखा ही मर जाऊँगा। मुझे अन्न दे दो। राजा ने उसे शर्त की बात याद दिलाई, पर वह अन्न छोड़ने को राजी नहीं हुआ, तब राजा ने उसे आटा-दाल-चावल आदि दिए। वह नित्य की तरह नदी पर पहुँचा और स्नान कर भोजन पकाने लगा। जब भोजन बन गया तो वह भगवान को बुलाने लगा- आओ भगवान! भोजन तैयार है।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता।

बुलाने पर पीताम्बर धारण किए भगवान चतुर्भुज रूप में आ पहुँचे तथा प्रेम से उसके साथ भोजन करने लगे। भोजनादि करके भगवान अंतर्धान हो गए तथा वह अपने काम पर चला गया।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता। यह सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह बोला- मैं नहीं मान सकता कि भगवान तुम्हारे साथ खाते हैं। मैं तो इतना व्रत रखता हूँ, पूजा करता हूँ, पर भगवान ने मुझे कभी दर्शन नहीं दिए।

राजा की बात सुनकर वह बोला- महाराज! यदि विश्वास न हो तो साथ चलकर देख लें। राजा एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया। उस व्यक्ति ने भोजन बनाया तथा भगवान को शाम तक पुकारता रहा, परंतु भगवान न आए। अंत में उसने कहा- हे भगवान! यदि आप नहीं आए तो मैं नदी में कूदकर प्राण त्याग दूँगा। लेकिन भगवान नहीं आए, तब वह प्राण त्यागने के उद्देश्य से नदी की तरफ बढ़ा। प्राण त्यागने का उसका दृढ़ इरादा जान शीघ्र ही भगवान ने प्रकट होकर उसे रोक लिया और साथ बैठकर भोजन करने लगे। खा-पीकर वे उसे अपने विमान में बिठाकर अपने धाम ले गए। यह देख राजा ने सोचा कि व्रत-उपवास से तब तक कोई फायदा नहीं होता, जब तक मन शुद्ध न हो। इससे राजा को ज्ञान मिला। वह भी मन से व्रत-उपवास करने लगा और अंत में स्वर्ग को प्राप्त हुआ।

कैसे करें व्रत-पूजन

- व्रती स्त्रियां इस दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं -

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम॥
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥
शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें -

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥

पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें -

इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थ शेषशायिना॥
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन॥

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं। (शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से समुत्थिते ततो विष्णौ क्रियाः सर्वाः प्रवर्तयेत के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं।) अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।



देव उठनी ग्यारस का महत्व

हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है. आज के प्रसंग में देखें तो चातुर्मास के बाद देव उठनी ग्यारस से पूरे बाज़ार में हल चल शुरू हो जाती है. शादी का मुहूर्त निकलने के कारण लोग खरीदी में लग जाते हैं और इस तरह व्यापार-व्यवयास में बड़ा उछाल आता है. भारत की यह सामाजिक संरचना ही यहाँ की आर्थिक संरचना को इतना सुदृढ़ बनाती है. तीज-त्यौहार सिर्फ खुशियों का बहाना नहीं बल्कि व्यापार-व्यवयास को बढ़ावा देने का भी बहाना हैं. इन्ही प्रथाओं के चलते भारत में कभी भी रिसेशन नहीं आ सकता. मैं देव उठनी ग्यारस और सभी त्यौहारों को बहुत शुभ मानता हूँ. देव उठनी ग्यारस का धार्मिक महत्व और हमारी संस्कृति का व्यवहारिक दृष्टिकोण देखकर भारतीय संस्कृति के प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ गई.आज के दिन कई जगहों पर सामूहिक विवाह का आयोजन भी रहता है. यह भी हमारी संस्कृति का एक अमूल्य पहलू है. जो असमर्थ लोग शादी में ज्यादा व्यय नहीं कर सकते उनके लिए समाज द्वारा की गई यह कुशल व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है.आज देव उठनी ग्यारस के दिन मैं सिर्फ इतना कहना चाहूँगा कि जिनकी आकृति अतिशय शांत है, जो शेषनाग की शय्या पर शयन किए हुए हैं, जिनकी नाभि में कमल है, जो सब देवताओं द्वारा पूज्य हैं, जो संपूर्ण विश्व के आधार हैं, जो आकाश के सदृश सर्वत्र व्याप्त हैं, नीले मेघ के समान जिनका वर्ण है, जिनके सभी अंग अत्यंत सुंदर हैं, जो योगियों द्वारा ध्यान करके प्राप्त किये जाते हैं, जो सब लोकों के स्वामी हैं, जो जन्म-मरणरूप भय को दूर करने वाले हैं, ऐसे लक्ष्मीपति, कमलनयन, भगवान विष्णु को मैं प्रणाम करता हूँ !



तुलसी विवाह

भगवान विष्णु के स्वरुप शालिग्राम और माता तुलसी के मिलन का पर्व तुलसी विवाह हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है. देवप्रबोधिनी एकादशी के दिन मनाए जानेवाले इस मांगलिक प्रसंग के सुअवसर पर सनातन धर्मावलम्बी घर की साफ़-सफाई करते हैं और रंगोली सजाते हैं. शाम के समय तुलसी चौरा के पास गन्ने का भव्य मंडप बनाकर उसमें साक्षात् नारायण स्वरुप शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं और फिर विधि-विधानपूर्वक उनके विवाह को संपन्न कराते हैं. पौराणिक कथानुसार एक बार सृष्टि के कल्याण के उद्देश्य से भगवान विष्णु ने राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को भंग कर दिया. इस पर सती वृंदा ने उन्हें श्राप दे दिया और भगवान विष्णु पत्थर बन गए, जिस कारणवश प्रभु को शालिग्राम भी कहा जाता है और भक्तगण इस रूप में भी उनकी पूजा करते हैं. इसी श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु को अपने शालिग्राम स्वरुप में तुलसी से विवाह करना पड़ा था और उसी समय से तुलसी विवाह का यह अनूठा रस्म प्रत्येक साल मनाया जाता है. तुलसी विवाह के सुअवसर पर व्रत रखने का बड़ा ही महत्व है. आस्थावान भक्तों के अनुसार इस दिन श्रद्धा-भक्ति और विधिपूर्वक व्रत करने से व्रती के इस जन्म के साथ-साथ पूर्वजन्म के भी सारे पाप मिट जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है.

तुलसी विवाह विधि

हिन्दू पुराणों में तुलसी जी को विष्णु प्रिया कहा गया है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी जी और भगवान विष्णु का विवाह कराने की प्रथा है। इस विवाह में तुलसी के पौधे और विष्णु जी की मूर्ति या शालिग्राम पाषाण का पूर्ण वैदिक रूप से विवाह कराया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह का शुभ दिन 13 नवंबर 2013 है। तुलसी विवाह के दिन व्रत करें और तुलसी जी के साथ विष्णु जी की मूर्ति घर में स्थापित करें। इसके बाद सुयोग्य पंडित या ब्राह्मण की सहायता से विधिवत रूप से तुलसी विवाह संपन्न कराएं। द्वादशी के दिन पुनः तुलसी जी और विष्णु जी की पूजा करें और व्रत का पारण करें। भोजन के पश्चात तुलसी के स्वतः गिरे हुए पत्तों को खाना शुभ होता है।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी के निकट जलाएं दीपक

शास्त्रों में कार्तिक मास को श्रेष्ठ मास माना गया है। मासों में कार्तिक मास, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। अर्थात कार्तिक मास के समान कोई भी मास नहीं है। पुराण में वर्णित है कि यह मास धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष को देने वाला है। विशेष रूप से स्नान दान एवं तुलसी की पूजा इस मास में विशेष फलदायी है। कार्तिक मास में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। स्कंद पुराण में वर्णित है कि इस मास में जो व्यक्ति देवालय, नदी के किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में दीपक जलाता है उसे सर्व सुख प्राप्त होते हैं। इस मास में भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। इस मास में की गई भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की उपासना असीमित फलदायी होती है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी की तिथि को देव शयन करते हैं और इस कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन उठते हैं। इसीलिए इसे देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु, जो क्षीरसागर में सोए हुए थे, चार माह उपरान्त जागे थे। विष्णुजी के शयन काल के चार मासों में विवाहादि मांगलिक कार्यों का आयोजन करना निषेध है। हरि के जागने के बाद ही इस एकादशी से सभी शुभ तथा मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं। इस दिन गंगा-स्नान, दीपदान, अन्य दानों आदि का विशेष महत्व है। ब्रह्मा, विष्णु, शिव, अंगिरा और आदित्य ने इसे महापुनीत पर्व कहा है। इसलिए इसमें गंगा स्नान, दीपदान, होम, यज्ञ तथा उपासना आदि का विशेष महत्व है। कहा गया है कि यदि स्नान में कुशा और दान करते समय हाथ में जल व जप करते समय संख्या का संकल्प नहीं किया जाए तो कर्म फल की प्राप्ति नहीं होती है। शास्त्र के नियमों का पालन करते हुए इस दिन स्नान करते समय पहले हाथ-पैर धो लें फिर आचमन करके हाथ में कुशा लेकर स्नान करें, इसी प्रकार दान देते समय हाथ में जल लेकर दान करें। आप यज्ञ और जप कर रहे हैं तो पहले संख्या का संकल्प कर लें फिर जप और यज्ञादि कर्म करें।

मुख्यमंत्री ने खटीमा में छठ महोत्सव में किया प्रतिभाग



खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को खटीमा में पूर्वांचल सेवा समिति की ओर से आयोजित छठ महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भगवान सूर्य नारायण की पूजा–अर्चना कर प्रदेश की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने वार्ड संख्या–14 स्थित संजय रेलवे पार्क के पास नवनिर्मित छठ घाट के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छठ पर्व आस्था, अनुशासन, तपस्या और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। उगते और डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा समाज को संघर्ष, समर्पण और समान सम्मान का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व उत्तराखंड और पूर्वांचल की संस्कृतियों को जोड़ते हुए विविधता में एकता की मिसाल पेश करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ह्यविकास भी और विरासत भीह्न के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। खटीमा में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए 300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत का ड्रेनेज प्लान स्वीकृत किया गया है, जिसका जल्द भूमिपूजन किया जाएगा। इसके अलावा क्षेत्र में सड़क निर्माण, चौड़ीकरण और हॉटमिक्स कार्य भी तेजी से कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेलघाट, सिसैया और नगला तराई जैसे सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए 12 करोड़ रुपये के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। वही भारामल बाबा मंदिर क्षेत्र का सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं का विकास भी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा में केंद्रीय विद्यालय का नया भवन तैयार हो चुका है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लिए 10 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि की घोषणा की गई है। इसके साथ ही आईटीआई, पॉलिटेक्निक, बाईपास और अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट जैसी सुविधाओं का विकास किया गया है। चकरपुर स्थित वन चेतना मैदान और वनखंडी महादेव मंदिर का सौंदर्यीकरण भी जारी है।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पदाधिकारियों एवं चिकित्सक को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, पूर्वांचल सेवा समिति के अध्यक्ष ठाकुर अजय सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी अजय गणपति एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में वंशिका ने झटका रजत पदक

अल्मोड़ा। जिले की बालिका मुक्केबाजों ने रामनगर में आयोजित राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अपने पंच का दम दिखाया। बालिका यूथ के 65–70 किलो भार वर्ग के फाइनल मुकाबले में अल्मोड़ा की वंशिका वाल्मीकि ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। फाइनल मैच में वंशिका का मुकाबला देहरादून की समृद्धि से हुआ।

इस रोमांचक मैच में वंशिका को हार का सामना करना पड़ा लेकिन पूरे मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया। वहीं 51–54 किलो भार वर्ग के सेमीफाइनल मैच में तनुजा बिष्ट ने नैनीताल की पीहू को पराजित कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। तनुजा की इस जीत से अब स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद जगी है।

जौलजीबी मेले में हंगामे के बाद विधायक हरीश धामी ने मांगी माफी

पिथौरागढ़। जौलजीबी मेले के सांस्कृतिक मंच पर हुए विवाद और हंगामे के बाद धारचूला से कांग्रेस विधायक हरीश धामी अब अपने व्यवहार को लेकर माफी मांग रहे हैं। मेले के दौरान हुए घटनाक्रम को लेकर विधायक ने सफाई देते हुए स्वीकार किया कि उनसे गलती हुई है।विधायक हरीश धामी का कहना है कि मंच पर संबोधन के दौरान माइक बंद हो जाने के कारण वह अपना आपा खो बैठे और आवेश में आकर उनसे ऐसा व्यवहार हो गया, जिसके लिए उन्हें खेद है। उन्होंने अपने व्यवहार को गलती मानते हुए माफी मांगी है।हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के बाद विधायक के सार्वजनिक व्यवहार और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। जौलजीबी मेला क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन और सामाजिक एकता का महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है। यहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, व्यापारी और पर्यटक परिवारों के साथ मेले का आनंद लेने पहुंचते हैं ऐसे में सांस्कृतिक मंच पर हुआ विवाद आयोजन की मूल भावना पर सवाल खड़े कर गया। जिस मंच से संस्कृति, परंपरा और आपसी सौहार्द का संदेश जाना चाहिए था, वहां हुए हंगामे के कारण मेले की चर्चा सांस्कृतिक गतिविधियों के बजाय राजनीतिक विवाद को लेकर होने लगी।अब विधायक की माफी के बाद यह मामला शांत होता है या राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर आगे भी चर्चा का विषय बना रहता है, यह देखना होगा।

सैनिटरी–हार्डवेयर की दुकान में भड़की भीषण आग



जौलीग्रांट। देहरादून–हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर नुन्नावाला (भानियावाला) स्थित एक सैनिटरी–हार्डवेयर की दुकान में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। रविवार तड़के कंट्रोल रूम से फायर ब्रिगेड को हाईवे के किनारे नुन्नावाला में एक दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही लालतप्पड़ फायर स्टेशन से दमकल के दो वाहन तुरंत मौके पर पहुंचे। दुकान में सैनिटरी और हार्डवेयर का ज्वलनशील सामान होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया था। आग की लपटों और धुएं के गुबार से आसपास के इलाके में अफरा–तफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभाला और लगातार पानी की बौछार कर आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम आग को पूरी तरह से बुझाने में सफल रही। फायर स्टेशन इंचार्ज दिनेश भट्ट ने बताया कि नुन्नावाला में संजोग फार्म के पास गौरव शर्मा की सैनिटरी–हार्डवेयर की दुकान है, जिसमें यह भीषण आग लगी। आग की चपेट में आने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया है। आग बुझाने में दमकल वाहनों को तीन घंटे से अधिक का समय लगा। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि विस्तृत जांच की जा रही है।

देहरादून लिटरेचर फेस्टिवलः सजेगा सितारों और साहित्य का महाकुंभ

देहरादून। साहित्य, सिनेमा, संगीत और कला की दुनिया के दिग्गजों का जमावड़ा एक बार फिर देहरादून में लगने जा रहा है। 27 से 29 नवंबर तक आयोजित होने वाले देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल (डीडीएलएफ) में इस बार देश की कई नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगी। तीन दिवसीय महोत्सव में संगीतकार एआर रहमान, फिल्म निर्देश–क इम्तियाज अली, प्रसिद्ध संगीतकार विशाल भारद्वाज, गायिका रेखा भारद्वाज, अभिनेत्री शबाना आजमी, स्वा पाठक शाह और अभिनेता राज बब्बर समेत साहित्य, सिनेमा और कला जगत की कई हस्तियां अपने अनुभव साझा करेंगी।दून इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित होने वाले इस महोत्सव की इस वर्ष की थीम लाइफ, लिटरेचर, लेगेसी रखी गई है। इसके तहत जीवन के अनुभवों, साहित्यिक विरासत और रचनात्मकता के सामाजिक प्रभाव पर विशेष चर्चा होगी।

दून में नशे के लिए रुपये नहीं देने पर छात्र से मारपीट



देहरादून। राजधानी देहरादून में नशेड़ियों की गतिविधियों से आम लोगों के साथ अब स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। ताजा मामला नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र के माता मंदिर रेलवे फाटक का है, जहां स्कूल से घर लौट रहे एक छात्र से नशे और सिगरेट के लिए रुपये मांगने तथा इनकार करने पर मारपीट करने का आरोप लगा है।

मामले में पीड़ित छात्र के पिता जयदीप सैनी निवासी शीतल विहार, अजबपुर खुर्द ने नेहरू कॉलोनी थाने में शिकायत देकर आरोपित युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, 14 नवंबर को धर्मपुर स्थित श्री गोवर्धन सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ने वाला छात्र मिलन सैनी छुट्टी के बाद अपने दो दोस्तों के साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान स्कूल के बाहर उसे आर्यन और अनमोल पाल मिले। आरोप है कि आर्यन ने उससे नशे और सिगरेट के लिए रुपये मांगे। छात्र के मना करने पर उसे धमकाया गया और उसका मोबाइल फोन छीन लिया गया।

आरोप है कि इसके बाद छात्र को अपहरण की धमकी देते हुए रेलवे पटरी के पास मजार के सामने ले जाया गया, जहां आर्यन ने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान सागर गुप्ता द्वारा मोबाइल से मारपीट का वीडियो बनाए जाने का भी आरोप लगाया गया है। छात्र किसी तरह वहां से बचकर निकला। पीड़ित के पिता का आरोप है कि अगले दिन भी आर्यन ने उनके बेटे को धमकाया और रुपये नहीं देने पर दोबारा मारपीट करने की चेतावनी दी। शिकायत में रेलवे पटरी के आसपास नशा करने और पहले भी छात्र को परेशान करने के आरोप लगाए गए हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, माता मंदिर रेलवे फाटक और आसपास के क्षेत्र में नशेड़ियों की गतिविधियां लंबे समय से परेशानी का कारण बनी हुई हैं। रेलवे पटरी के आसपास संदिग्ध गतिविधियों और नशेड़ियों के जमावड़े से स्थानीय निवासियों के साथ–साथ स्कूल आने–जाने वाले बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है।

अब सवाल यह है कि रिहायशी और स्कूली आवागमन वाले इस क्षेत्र में पुलिस की निगरानी कब बढ़ेगी? स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में नियमित गश्त, नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई है।

संक्षिप्त समाचार

पालिका प्रशासन ने हाईवे पर लाइट लगाने के लिए एमडीडीए को लिखा पत्र

जौलीग्रांट। नगर पालिका प्रशासन ने मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) को भानियावाला–ऋषिकेश मुख्य मार्ग पर शहीद द्वार से एयरपोर्ट तिराहे तक डिवाइडर के बीच में लाइट लगाने के लिए पत्र लिखा है। अधिशासी अधिकारी एमएल शाह ने एमडीडीए को लिखे पत्र में कहा है कि एमडीडीए ने शहीद द्वार से एयरपोर्ट तिराहे तक डिवाइडरों के बीच पौधरोपण कर सौंदर्यीकरण का कार्य किया था, लेकिन लाइटें नहीं लगाई हैं। जबकि पुलिस चौकी जौलीग्रांट से लेकर रानीपोखरी पुल तक वन्य जीव सड़क पार कर थानो और बड़कोट वन रेंज के जंगलों के बीच अक्सर आवाजाही करते हैं।सड़क पर आवाजाही करते हुए लोगों का सामना अक्सर वन्य जीवों से होता है। बुधवार शाम भी एक बाइक सवार युवक हाथी से जा टकराया था। घटना में चमत्कारिक रूप से युवक की जान बच गई थी। ऐसे में शहीद द्वार से लेकर एयरपोर्ट तिराहे तक डिवाइडर के बीच लाइट लगाना जरूरी है। ताकि सड़क पार करते हुए हाथी या अन्य वन्य जीव लोगों को स्पष्ट दिखाई दे सकें। वहीं, भानियावाला–ऋषिकेश मुख्य मार्ग पर थानो और बड़कोट वन रेंज ने अपनी गश्त बढा दी है। वनकर्मी लोगों को सुबह और शाम के वक्त इस मार्ग पर सजग होकर धीमी रफ्तार से चलने की अपील कर रहे हैं। बड़कोट रेंजर गणेश उनियाल ने कहा कि उनकी एक टीम लगाकर इस मार्ग पर गश्त कर रही है। हाईवे पर वन्य जीव दिखने पर वन विभाग को सूचना दी जानी चाहिए।

उत्तराखंड में इबोला का खतरा, 55 पर्यटकों की निगरानी शुरू

ऋषिकेश। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुछ अफ्रीकी देशों में बढ़ रहे इबोला वायरस के प्रकोप के बीच उत्तराखंड सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इन अफ्रीकी देशों से आने वाले 55 पर्यटकों की निगरानी भी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने विमानपत्तन प्राधिकरण को आने वाले अन्य पर्यटकों की जानकारी ससमय उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक कांगो, यूगांडा, केन्या और नाइजीरिया समेत अलग–अलग देशों में अब तक हजारों लोगों में इबोला वायरस की पुष्टि हो चुकी है। इसमें मौत का आंकड़ा भी चौंकाने वाला है। भारत सरकार भी इसको लेकर अलर्ट हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अक्तूबर महीने में सभी राज्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग भी की गई थी। इस दौरान सभी राज्यों की समीक्षा की गई। इसी क्रम में उत्तराखंड सरकार को वायरस के खतरे को लेकर सजग रहने के निर्देश दिए गए। जानकारी के मुताबिक उत्तराखंड में अब तक 55 यात्री ऐसे हैं जो अफ्रीकी देशों से आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने उनकी सूची तैयार की है। इनकी 21 दिनों तक निगरानी की जाएगी। इसके अलावा विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ भी समन्वय बनाकर आने वाले पर्यटकों की जानकारी भी ली जा रही है। विशेषज्ञों ने इस वायरस को बेहद खतरनाक और जानलेवा बताया है। साथ ही दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रामक रोग की संज्ञा दी है।

हल्द्वानी प्रकरण का विरोध, युवा कांग्रेस ने फूंका सरकार का पुतला

अल्मोड़ा। हल्द्वानी में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले के विरोध में युवा कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। कार्यकर्ताओं ने सरकार का पुतला दहन कर प्रदेश में महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने व पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग उठाई।

इस दौरान युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य गोपाल भट्ट ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में उत्तराखंड के प्रत्येक जिले से महिला अपराधों के गंभीर मामले सामने आए हैं। कई मामलों में भाजपा और उससे जुड़े संगठनों के लोगों के नाम सामने आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हल्द्वानी की घटना ने महिला सुरक्षा को लेकर सरकार के दावों की पोल खोल दी है। कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष व समयबद्ध जांच कराने सहित सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने और पीड़िता को सुरक्षा और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाली तो होगी कानूनी कार्रवाई



देहरादून। न्यायालयों में चल रही न्यायिक कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करना अब भारी पड़ सकता है। दून पुलिस ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि बिना पूर्व अनुमति न्यायिक कार्यवाही से जुड़े वीडियो रिकॉर्ड करना, डाउनलोड करना या सोशल मीडिया पर साझा करना प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

पुलिस के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा न्यायालयों की लाइव स्ट्रीमिंग से वीडियो क्लिप बनाकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के दिशा–निर्देशों का हवाला देते हुए पुलिस ने बताया कि न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग का बिना अनुमति उपयोग करना प्रतिबंधित है।

एडवाइजरी के मुताबिक, न्यायिक कार्यवाही की स्क्रीन रिकॉर्डिंग, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग, पोस्ट या री–पोस्ट करने, प्रसारित करने, एडिट करने और रिकॉर्डिंग को संग्रहित करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा ऐसी रिकॉर्डिंग का व्यावसायिक इस्तेमाल भी नहीं किया जा सकता। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट अथवा संबंधित हाईकोर्ट के अधिकृत अधिकारी से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है।

भ्रामक कैप्शन लगाकर वीडियो वायरल न करें

दून पुलिस ने आमजन से अपील की है कि न्यायालय की लाइव स्ट्रीमिंग के वीडियो बिना अनुमति रिकॉर्ड न करें और न ही उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करें। वीडियो को एडिट कर भ्रामक कैप्शन लगाने या गलत संदर्भ में प्रसारित करने से भी बचें। यदि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा इस तरह की सामग्री साझा की जाती है तो उसे आगे फॉरवर्ड या वायरल न करें।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि निर्धारित दिशा–निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत विधिक कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस ने नागरिकों से न्यायालय की गरिमा और न्यायिक प्रक्रिया की मर्यादा बनाए रखने की अपील की है।

शिक्षकों की कमी का बोझ अभिभावकों पर

यमकेश्वर। विकासखंड यमकेश्वर के डांडा मंडल क्षेत्र स्थित जनता इंटर कॉलेज किमसार में शिक्षकों की भारी कमी का खामियाजा अब विद्यार्थियों के साथ–साथ अभिभावकों को भी भुगतना पड़ रहा है। विद्यालय में नियमित शिक्षकों की तैनाती न होने से जहां पढ़ाई चौपट है, वहीं शिक्षण व्यवस्था को पटरी पर रखने के लिए अभिभावक अपनी जेब से अतिरिक्त फीस चुकाने को मजबूर हैं। अभिभावक संघ ने पांच स्थानीय युवाओं को पढ़ाने के लिए रखा है, जिनका मानदेय छात्रों से फीस वसूलकर दिया जा रहा है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर दोहरी मार पड़ रही है।

विद्यालय में वर्तमान में 110 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। बोर्ड परीक्षाएं सिर पर हैं, लेकिन शिक्षकों के अभाव में अधिकांश विषयों का पाठ्यक्रम अब तक पूरा नहीं हो पाया है। ऐसे में विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम और भविष्य को लेकर अभिभावक खासे चिंतित हैं। शिक्षकों की कमी से निपटने के लिए अभिभावक संघ ने तीन युवकों और दो युवतियों सहित कुल पांच स्थानीय युवाओं को शिक्षण कार्य में लगाया है। इन्हें मानदेय देने के लिए कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों से प्रतिमाह अधिकतम 350 रुपये अतिरिक्त फीस ली जा रही है। गरीब परिवारों के लिए यह रकम एक बड़ा बोझ बन गई है।

विज्ञान वर्ग का हाल सबसे बुरा, सालों से पद खाली

जनता इंटर कॉलेज किमसार में शिक्षकों के पद वर्षों से खाली पड़े हैं। विज्ञान वर्ग में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित का एक भी प्रवक्ता तैनात नहीं है, जिससे विज्ञान की पढ़ाई और प्रयोगात्मक कक्षाएं पूरी तरह ठप हैं।

पांच माह बाद खुले राजाजी टाइगर रिजर्व के गेट



रायवाला। करीब पांच माह की वार्षिक बंदी के बाद, राजाजी टाइगर रिजर्व (आरटीआर) के सभी गेट रविवार को पर्यटकों और सैलानियों के लिए विधिवत खोल दिए गए। पहले दिन सफारी के लिए पहुंचे सैलानियों का वन विभाग के अधिकारियों ने फूल–मालाएं पहनाकर स्वागत किया। पर्यटन के लिहाज से बेहद अहम मानी जाने वाली चीला और मोतीचूर रेंज में पहले दिन ही बड़ी संख्या में सैलानियों ने सफारी वाहनों में सवार होकर जंगल की प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीवों का दीदार किया।

चीला रेंज में फॉरेस्ट वार्डन विजय सैनी और मोतीचूर रेंज में वन क्षेत्राधिकारी गौरव नेगी ने फीता काटकर गेट का उद्घाटन किया। इसके साथ ही जंगल सफारी का रोमांच शुरू हो गया। चीला रेंज में पहले दिन 82 भारतीय और 31 विदेशी पर्यटकों ने जंगल सफारी का आनंद लिया। वहीं, हरियाणा के करनाल जिले के एक स्कूल से आए करीब 70 छात्र–छात्राओं और शिक्षकों के दल ने भी सफारी कर वन्यजीवों को निहारा।

टी–स्टेट में गौकशी के आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़



देहरादून। राजधानी देहरादून में गौकशी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ दून पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। 15 नवंबर की देर रात प्रेमनगर थाना क्षेत्र के टी–स्टेट में चेकिंग के दौरान पुलिस और बाइक सवार दो संदिग्धों के बीच मुठभेड़ हो गई। आरोप है कि आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लग गई। वहीं, उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक, ठाकुरपुर रोड स्थित टी–स्टेट के पास चेकिंग के दौरान पल्सर बाइक पर सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया। लेकिन दोनों रुकने के बजाय पुलिस को पिस्तौल दिखाकर भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। इस दौरान दरू चौक से मीठीबेरी की ओर टी–स्टेट क्षेत्र में पहुंचने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक आरोपी घायल हो गया।

घायल आरोपी की पहचान इरशाद (32) पुत्र मोहम्मद जमशेद, निवासी ग्राम खजुनावर, थाना फतेहपुर, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए प्रेमनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, फरार आरोपी की पहचान शमीम पुत्र अज्ञात, निवासी ग्राम गंदेबड़ा, थाना फतेहपुर, जिला सहारनपुर के रूप में हुई है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार कॉम्बिंग अभियान चला रही है।

टी–स्टेट और बिधौली रोड पर गौकशी की घटनाओं में संलिप्तता का आरोप

पुलिस के अनुसार, घायल आरोपी इरशाद इसी माह प्रेमनगर थाना क्षेत्र के टी–स्टेट और बिधौली रोड पर हुई गौकशी की घटनाओं में शामिल रहा है। मुठभेड़ की सूचना मिलने पर पुलिस के उच्चाधिकारी भी घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे तथा पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। घायल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

मोबाइल की दुकान से चोरी कांड में फरार दो और आरोपी गिरफ्तार

ऋषिकेश। हरिद्वार रोड स्थित मोबाइल की दुकान में हुई चोरी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपियों से चोरी के मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्ट वॉच और एयर स्पीकर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद हुआ है। मामले में पुलिस अब तक कुल छह आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। पूर्व में गिरफ्तार चार आरोपियों से भी काफी चोरी का सामान बरामद हुआ था। बीते छह नवंबर की रात को चोरों ने ऋषिकेश–हरिद्वार रोड पर गीतानगर गली नंबर–10 के बाहर स्थित गुप्ता मोबाइल वर्ल्ड का शटर तोड़कर विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन, लैपटॉप और डेमो फोन चोरी किए थे। पुलिस ने दुकान स्वामी अश्वनी गुप्ता निवासी शिवाजी नगर की तहरीर पर कोतवाली ऋषिकेश में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। नौ नवंबर को पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 30 मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप और एक आईपैड बरामद किया था। वहीं, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर शेखर चौधरी उर्फ प्रिंस और संजीव उर्फ संदीप के नाम सामने आए थे, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी थी। शनिवार को पुलिस ने रायवाला थाने से आगे चाय की दुकान के पास से शेखर चौधरी उर्फ प्रिंस को गिरफ्तार किया। तलाशी में उसके पास से चोरी किया हुआ एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने नेपाली फार्म की ओर जा रहे दूसरे आरोपी संजीव उर्फ संदीप को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से मोबाइल फोन, एचपी लैपटॉप, एक्सपैड टैबलेट, दो एयर स्पीकर और स्मार्ट वॉच बरामद हुईं। पूछताछ में दोनों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूली। उसने बताया कि चोरी के बाद वह हरियाणा चला गया था। वापस लौटने के बाद वह चोरी का सामान बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा था। कोतवाल यशपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि पुलिस ने बरामद मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट के आईएमईआई नंबर व सीरियल नंबर का दुकान स्वामी की ओर से उपलब्ध कराए गए विवरण से मिलान किया, जो सही पाए गए।

संकरी सड़क पर ओवरलोड डंपरों का खतरा

यमकेश्वर। गरुड़चट्टी–घट्टूगाड़–मोहन चट्टी–सिलोगी मोटर मार्ग पर दिन–रात दौड़ रहे खनन सामग्री से लदे ओवरलोड डंपर स्थानीय लोगों के लिए मुसीबत बन गए हैं। नीलकंठ महादेव में शनिवार और रविवार को पर्यटकों की भारी आवाजाही को देखते हुए लक्ष्मणझूला कोतवाली पुलिस ने सप्ताहांत (दो दिन) के लिए इन डंपरों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। हालांकि, स्थानीय लोग पुलिस की इस सीमित कार्रवाई को स्थायी समाधान नहीं मान रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह मोटर मार्ग बेहद संकरा है। इसके बावजूद हैंवल नदी से खनन सामग्री लेकर ऋषिकेश की ओर जाने वाले डंपर ओवरलोड और तेज रफ्तार में दौड़ते हैं। इन डंपरों के अत्यधिक भार से सड़क जगह–जगह से टूटकर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। सप्ताहांत में पर्यटक वाहनों और डंपरों की आवाजाही एक साथ होने से कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है, जिससे न सिर्फ पर्यटकों और स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है, बल्कि कई बार मरीजों को ले जा रही एंबुलेंस भी जाम में फंस जाती हैं।

पिछले माह ही इसी मार्ग पर तेज रफ्तार डंपरों की चपेट में आने से चार गायों की मौत हो गई थी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्त्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

सैंडपेपर विवाद

तेंदुलकर ने 49 साल से संभालकर रखा है पहला बैट

बल्ला लेकर शेयर की खास तस्वीर

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने बल्ले से इतिहास रचने वाले सचिन तेंदुलकर ने बचपन की एक याद को आज भी संभालकर रखा है। मास्टर ब्लास्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की तस्वीर शेयर की है। इसमें वे छोटे बच्चे के रूप में हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं। सचिन ने बताया कि उनका पहला बैट 49 साल बाद भी उनके पास है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, दिल



का मामला है... 49 साल बाद भी ये मेरे साथ है। इस तस्वीर के साथ सचिन ने अपने क्रिकेट के शुरुआती दिनों की यादें ताजा कीं।

16 साल की उम्र में किया था इंटरनेशनल डेब्यू- सचिन तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 16 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सचिन ने करीब 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। उनका आखिरी टेस्ट मैच 14 से 16 नवंबर 2013 के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यह उनके करियर का 200वां टेस्ट था। 16 नवंबर को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा।

100 शतक और 34 हजार से ज्यादा रन बनाए- सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 200 टेस्ट में 15,921 रन बनाए। इसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इस तरह सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 34,357 रन बनाए। वे टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक भी लगाया था।

2011 में पूरा किया वर्ल्ड कप जीतने का सपना

सचिन के करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में 2011 का वनडे वर्ल्ड कप शामिल है। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर दूसरी बार वर्ल्ड कप जीता था।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

पांचवां मैच 22 रन से हराया भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज अपने नाम की है। पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम ने 22 रन से जीत लिया। टीम इंडिया ने कीवी धरती पर आखिरी बार 2019 में 4-1 से सीरीज जीती थी।

माउंट माउंगानुई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गया। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन बनाए।जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 48.1 ओवर में 187 रन बनाकर सिमट गई। भारत से तेज गेदबाजों ने मिलकर 7 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया। मोहम्मद सिराज और आकिब नबी को 2-2 विकेट मिले। यश ठाकुर ने एक विकेट लिया। ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 187 रनों पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया।

टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने चुनी गेंदबाजी- पांचवें वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह मुकाबला माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला गया। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम इसी मैदान पर महज 89 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। ऐसे में टीम इंडिया के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने और सीरीज जीतने की चुनौती थी।

सैंटनर और डफी ने झटके तीन-तीन विकेट- न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर और तेज गेंदबाज जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। दोनों ने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं



दिया। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने भी अहम विकेट लेकर भारत की मुश्किलें बढ़ाईं। न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 210 रनों का लक्ष्य- भारतीय टीम की पारी 209 रनों पर समाप्त होने के बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला। कम स्कोर होने के कारण भारतीय गेंदबाजों पर मुकाबला बचाने की बड़ी जिम्मेदारी थी। हालांकि, टीम इंडिया ने शुरुआत से ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए।

187 रनों पर सिमटी न्यूजीलैंड की टीम- 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। मेजबान टीम लगातार विकेट गंवाती रही और आखिरकार 187 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला 22 रनों से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

भारत ने 3-1 से अपने नाम की वनडे सीरीज- न्यूजीलैंड के खिलाफ इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीत ली। इससे पहले चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रनों से करारी शिकस्त दी थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम महज 89 रनों पर सिमट गई थी। हालांकि, आखिरी मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने भारत को जीत दिलाई और टीम ने सीरीज का अंत जीत के साथ किया।

भारतीय बल्लेबाजी एक बार फिर लड़खड़ाई

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और भारतीय बल्लेबाज बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। मिचेल सैंटनर और



जैकब डफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। नतीजा यह रहा कि पूरी भारतीय टीम 42.1 ओवर में 209 रनों पर सिमट गई।

एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में बनाई जगह

मिर्रा एंड्रीवा से होगा खिताबी मुकाबला



कैलिफोर्निया (एजेंसी)। डब्ल्यूटीए फाइनल 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना ने महज 65 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। अब खिताब के लिए उनका सामना 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा से होगा।

लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया- एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने लिंडा नोस्कोवा को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी स्वितोलिना का दबदबा जारी रहा और उन्होंने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा से होगी भिड़ंत- डब्ल्यूटीए फाइनल के फाइनल में स्वितोलिना के सामने 19 वर्षीय मिर्रा एंड्रीवा की चुनौती होगी। एंड्रीवा ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। साल 2026 की फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा इस टूर्नामेंट में भी शानदार लय में नजर आ रही हैं।

32 साल की उम्र में बनाया खास रिकॉर्ड

32 साल की उम्र में डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचकर स्वितोलिना ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा वह 32 साल की उम्र के बाद डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

खिताब के लिए होगी आखिरी जंग

डब्ल्यूटीए 2026 का फाइनल अब एलिना स्वितोलिना और मिर्रा एंड्रीवा के बीच खेला जाएगा। एक तरफ 32 वर्षीय अनुभवी स्वितोलिना हैं, जिन्होंने शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, तो दूसरी तरफ 19 वर्षीय फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा हैं। अब देखना होगा कि इस खिताबी मुकाबले में अनुभव भारी पड़ता है या युवा जोश अपना जलवा दिखाता है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास

नंबर-11 पर पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय बने



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले में भले ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से खास रिकॉर्ड बना दिया। अर्शदीप ने नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।

वनडे में भारत के नंबर 11 बल्लेबाज द्वारा पहली ही गेंद पर छक्का वेंकटेश प्रसाद - इयान हार्वे (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, नैरोबी, सीटी 2000 क्वार्टर फाइनल जसप्रीत बुमराह - पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, मोहाली, 2019 अर्शदीप सिंह - जैकब डफी (न्यूजीलैंड) के खिलाफ, माउंट माउंगानुई, 2026

भारत के लिए तीसरे बल्लेबाज बने अर्शदीप

नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची अब तीन नामों की हो गई है। वेंकटेश प्रसाद, जसप्रीत बुमराह और अब अर्शदीप सिंह ने यह कमाल किया है। खास बात यह है कि तीनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग दौर में अपनी बल्लेबाजी से यह यादगार उपलब्धि हासिल की है।

पहली गेंद पर छक्का लगाकर बनाया खास रिकॉर्ड

अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगाया। उनका यह शॉट इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह भारतीय पारी में आखिरी बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे थे। नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा वनडे क्रिकेट में बेहद कम भारतीय बल्लेबाजों ने किया है।

सौरव गांगुली ने वीरेंद्र सहवाग को दी बधाई, बेटे ने लगाया था अर्धशतक

एशिया कप के हीरो मोहित बोले-पता था दिन मेरा है

देखते रह गए पाकिस्तानी खिलाड़ी, भारत ने जबड़े से छीनी जीत; 19 एशिया कप पर किया कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा, हर खिलाड़ी, हर योगदान और हर पल मायने रखता है। भारत ने आज यह बात शानदार तरीके से दिखाई।

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आर्यवीर सहवाग की तारीफ करते हुए लिखा- वीरू को बहुत गर्व हो रहा होगा।वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने फाइनल में 58 रन की पारी खेली। वे 361 रन बनाकर टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे।इस जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को चैंपियन बनाया। मैच के बाद उन्होंने कहा- मुझे पता था कि आज मेरा दिन है और मैं मैच खत्म करूंगा।



क्या मैच था, शानदार अंत- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने भारत की जीत को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने लिखा, क्या मैच था! क्या शानदार अंत! 338 रन का पीछा करते हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए जबरदस्त जज्बे की जरूरत थी।

लक्ष्य ने 80 रन बनाए, आर्यवीर ने 58 रन की पारी खेली। और जब टीम को चमत्कार की जरूरत थी, तब मानल चौहान और मोहित उल्वा ने कमाल कर दिया। इन युवा चैंपियंस पर गर्व है।



19 एशिया फाइनल में जीत के बाद सेलिब्रेशन पर विवाद,पाक खिलाड़ियों की तरफ इशारे पर आलोचना, बीसीसीआई सचिव बोले- जश्न मनाने का पूरा हक- भारत की अंडर-19 टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराकर खिताब जीता। हालांकि, जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न पर विवाद हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तरफ इशारे करते नजर आए। इस पर हो रही आलोचना के बीच बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने टीम का बचाव किया है।सैकिया ने कहा कि मुश्किल हालात में जीत हासिल करने के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा अधिकार है। यह उनके आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने वाले रवैये को दिखाता है।



लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता

फाइनल में वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 3 गेम में हराया; 2 हफ्ते में दूसरा बीडब्ल्यूएफ टाइटल

कुमामोटो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।

एक घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य का यह लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे दो हफ्ते पहले उन्होंने जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीता था।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी- घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कोकी वातानाबे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपनी रणनीति बदली और लंबी रैलियों के जरिए मुकाबले में वापसी की। कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने यह गेम 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-10 को हराया था- फाइनल से पहले शनिवार को लक्ष्य ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-10 अलवी फरहान को हराया था। तीन गेम तक चले मुकाबले में उन्होंने 21-12, 15-21, 21-11 से जीत दर्ज की थी।

खराब फॉर्म से उबरकर दो हफ्ते में जीते दो खिताब- लक्ष्य सेन के लिए हायलो ओपन से पहले का समय चुनौतीपूर्ण रहा था। वे लगातार 6 टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से वे किसी बड़े खिताब का इंतजार कर रहे थे।

आईपीएल 2027के मुंबई के सभी 11 मैच वानखेड़े में होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विमेंस प्रीमियर लीग आईपीएल 2027 के मुंबई लेग का वेन्यू बदल दिया है। मुंबई में होने वाले सभी 11 मुकाबले अब ब्रेबोर्न स्टेडियम की



जगह वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इनमें 9 लीग मैच, एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं। हालांकि, मैचों की तारीख और शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बीसीसीआई के मुताबिक, मुंबई लेग के मुकाबले 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच होंगे। फरवरी में होने वाली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के कारण यह फैसला लिया गया है। ब्रेबोर्न स्टेडियम को भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। ऐसे में दोनों टूर्नामेंट के बीच पिचों को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।